सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 181 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार 7 अगस्त, 2026
मूल्य ₹ 3/-

हर मित्रता के पीछे कोई ना कोई स्वार्थ होता है। ऐसी कोई मित्रता नहीं, जिसमें स्वार्थ न हो। यह कड़वा सच है।
-चाणक्य

महिला टी20 एशिया कप के... 7 | पंजाब में चुनावी बिसात पर शुरू... 3 | बिना विचार के प्रचार से कुछ हासिल... 2

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे पर नहीं सरकार की साख पर है ये दरार

पंखों से नहीं... कार्रवाई से सूखेगा दाग

» परियोजना निदेशक बर्खास्त, निर्माण एजेंसी को कारण बताओ नोटिस आईआईटी करेगी जांच

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत यही है कि सवाल पूछे जाएं, और 4PM ने भी यही किया जिस समय कानपुर एक्सप्रेसवे की परते उखड़ने की खबरें सामने आना शुरू हुई मेन स्ट्रीम मीडिया में पिन ड्राप सायलेंस था।

सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव के वीडियो शेयर करने और 4PM पर छपने के बाद मामले ने रफ्तार पकड़ी। हालात यह है कि आज दूसरे दिन भी वीडियो ट्रेंड कर रहा है और लोग चर्चा।

4PM के सवालों की लगी कुछ ऐसी चोट कि सिस्टम को कार्रवाई करनी पड़ी

उदघाटन के 22वें दिन ही टैं बोल गया एक्सप्रेसवे

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे की कहानी अब सिर्फ एक सड़क की कहानी नहीं रह गयी है। यह जवाबदेही गुणवत्ता और सार्वजनिक धन से बनने वाली परियोजनाओं की विश्वसनीयता का सवाल बन चुकी है। उद्घाटन के कुछ ही दिनों बाद सड़क के कई हिस्सों में आई दरारों धंसाव और मरम्मत की तस्वीरों ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा। मरम्मत वाले हिस्सों को जल्दी उपयोग में लाने के लिए लगाए गए बड़े बड़े पंखों और ब्लोअर की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुईं तो बहस और तेज हो गई। विपक्ष ने सवाल उठाए यात्रियों ने चिंता जतायी और आखिरकार राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को भी कार्रवाई करनी पड़ी। अब घटनाक्रम तेजी से बदला है। परियोजना निदेशक को हटाया गया है स्वतंत्र इंजीनियरिंग टीम के प्रमुख के खिलाफ भी कार्रवाई हुई है निर्माण एजेंसी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है टोल वसूली रोकी गयी है और मामले की स्वतंत्र जांच के लिए आईआईटी खड़गपुर की विशेषज्ञ टीम को जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह सब दिखाता है कि यदि सार्वजनिक परियोजनाओं में खामियों के संकेत मिलते हैं तो उन्हें नजरअंदाज करना आसान नहीं होता।

पंखों ने बढ़ा दी राजनीतिक गर्मी

मरम्मत के दौरान सामने आए एक वीडियो ने पूरे विवाद को राष्ट्रीय बहस में बदल दिया। वीडियो में मरम्मत किए गए हिस्से को जल्दी उपयोग में लाने के लिए बड़े बड़े पंखे और ब्लोअर लगाए गए दिखायी दिए। आम लोगों के बीच यह तस्वीर सरकार के विकास दावों पर व्यंग्य का प्रतीक बन गयी। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने वीडियो साझा करते हुए सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि नई सड़क को कुछ ही दिनों में इस तरह की मरम्मत की जरूरत पड़ रही है तो उसकी गुणवत्ता पर जनता भरोसा कैसे करे। उनके बयान के बाद यह मुद्दा सोशल मीडिया से निकलकर राष्ट्रीय राजनीतिक बहस का हिस्सा बन गया।

आईआईटी खड़गपुर करेगी स्वतंत्र जांच

इस पूरे मामले की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी स्वतंत्र तकनीकी जांच है। एनएचएआई ने घोषणा की है कि आईआईटी खड़गपुर की विशेषज्ञ टीम पूरे निर्माण की जांच करेगी। जांच का उद्देश्य केवल यह पता लगाना नहीं होगा कि सड़क क्यों धंसी बल्कि यह भी कि क्या निर्माण सामग्री डिजाइन जल निकासी व्यवस्था मिट्टी की स्थिति या गुणवत्ता नियंत्रण में कहीं कोई चूक हुई। विशेषज्ञ मानते है कि किसी भी बड़े बुनियादी ढांचे की परियोजना में स्वतंत्र तकनीकी ऑडिट भविष्य की परियोजनाओं के लिए भी महत्वपूर्ण सीख देता है।

बड़ा सवाल जांच कितनी पारदर्शी होगी?

इस पूरे प्रकरण ने एक पुराने सवाल को फिर सामने ला खड़ा किया है क्या हमारी बड़ी परियोजनाओं की असली परीक्षा उद्घाटन के दिन होती है या पहली बारिश के बाद? करोड़ों अरबों रुपये की लागत से बनने वाली सड़कें केवल दूरी कम करने का माध्यम नहीं होतीं वह सरकार और नागरिक के बीच भरोसे का पुल भी होती हैं। यदि उस भरोसे में दरार पड़ती है तो उसका असर सिर्फ यातायात पर नहीं शासन की विश्वसनीयता पर भी पड़ता है। यह भी महत्वपूर्ण है कि एनएचएआई ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि मरम्मत का खर्च ठेकेदार वहन करेगा और अनुबंध के अनुसार अगले 15 वर्षों तक रखरखाव की जिम्मेदारी भी उसी की होगी। अब सबसे बड़ी परीक्षा यह होगी कि जांच कितनी पारदर्शी होती है जिम्मेदारी कितनी स्पष्ट तय होती है और भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न हो इसके लिए कौनसे संस्थागत सुधार किए जाते हैं। सड़क की दरारें भरी जा सकती हैं लेकिन जनता के मन में उठे सवाल तभी भरेंगे जब जवाब भी उतने ही मजबूत होंगे जितने उद्घाटन के समय किए गए दावे थे।

ज्यादा दिन नहीं टिक सका उत्सव का माहौल

13 जुलाई को जब 4,200 करोड़ रुपये की लागत से बने लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का उद्घाटन हुआ तब इसे उत्तर प्रदेश के विकास की नई रफ्तार बताया गया। मंच पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद थे। दावा किया गया कि यह एक्सप्रेसवे यात्रा को तेज सुरक्षित और आधुनिक बनाएगा। लेकिन उत्सव का माहौल ज्यादा दिन नहीं टिक सका। 26 जुलाई को उन्नाव के कुरारी गांव के पास पहली बार सड़क के एक हिस्से में डामर उखड़ने और किनारे धंसने की खबर सामने आई। इसके बाद अलग अलग स्थानों पर इसी तरह की खामियां सामने आने लगीं। देखते ही देखते आठ स्थानों पर मरम्मत करनी पड़ी। यात्रियों के लिए वैकल्पिक मार्ग बनाए गए और कई जगहों पर गति सीमित करनी पड़ी।

बिना विचार के प्रचार से कुछ हासिल नहीं होता

» सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सीएम योगी पर साधा निशाना

» बोले-सरकार का प्रचार तंत्र ही कर रहा है सीएम का अंत, विज्ञापन से बदमानी ही मिली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एकबार फिर भाजपा व सीएम योगी पर हमला बोला है। सपा प्रमुख ने कहा उनका प्रचार तंत्र ही उनके लिए नुकसान करने वाला बन रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के आत्मप्रशंसा वाले विज्ञापनों पर प्रतिदिन 2.3 करोड़ रुपये खर्च करने के बावजूद उन्हें बदनामी के अलावा कुछ नहीं मिला। अखिलेश ने कहा कि बिना विचार के प्रचार से कुछ हासिल नहीं होता। मुख्यमंत्री अकेले में बैठकर सोचें तो उन्हें पता चलेगा कि उनका प्रचार तंत्र ही उनके अंत का कारण बन रहा है।

अखिलेश यादव ने लखनऊ के अग्निकांड में बच्चे को खोने वाली महिला के साथ मुख्यमंत्री के कथित दुर्व्यवहार का जिक्र करते हुए कहा कि इसका वीडियो पूरी दुनिया ने देखा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का कार्यकाल अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे, चंदे और दान में चोरी के आरोपों, विपक्ष पर मुकदमे, बुलडोजर के दुरुपयोग और कथित फर्जी एनकाउंटर जैसी घटनाओं के लिए याद किया जाएगा। अखिलेश ने आरोप लगाया कि सरकार में पीडीए के साथ अत्याचार हुआ और लोगों के घर, दुकान व विश्वविद्यालय तक गिराए गए।

अखिलेश ने भाजपा पर अयोध्या के राम मंदिर के चंदे-चढ़ावे में चोरी का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा का विकास से कोई वास्ता नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में बनाई गई सड़कें बनते ही धंसने और टूटने लगी हैं तथा घटिया डामर का इस्तेमाल हो रहा है।

बर्क ने संभल रिपोर्ट पर उठाए सवाल

सांसद एवं सपा नेता जियाउर्रहमान बर्क ने न्यायिक जांच आयोग की रिपोर्ट और पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि बवाल में जान हमारी गई और अपराधी भी हम ही साबित हो रहे हैं। बोले, न्यायिक जांच आयोग के गठन पर उम्मीद थी कि संभल के लोगों को न्याय मिलेगा लेकिन यह उम्मीद भी टूट गई। भाजपा सरकार में जो भी न्यायिक जांच आयोग गठित किए जाते हैं, वह इसी तरह की गलत रिपोर्ट तैयार देते हैं। पुलिस ने गोली चलाई थी। हमारे पांच निहत्थे भाइयों की जान ली गई थी। यह जुल्म की इंतेहा है। सौ से ज्यादा निर्दोष लोग जेल भेजे गए। इन लोगों के घरों में दूसरा कोई खाने कमाने वाला तक नहीं है।

रंजिश में शामिल किए गए नाम : मोहिबुल्ला नदवी

रामपुर के सांसद एवं सपा नेता मोहिबुल्ला नदवी ने कहा है कि सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क और विधायक इकबाल महमूद के बेटे सुहेल इकबाल का नाम राजनीतिक रंजिश में शामिल किया गया है। नदवी ने बृहस्पतिवार को दिल्ली में मीडिया से बातचीत की, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। अपने बयान में उन्होंने कहा कि संभल बवाल में पुलिस ने जो गोली चलाई थी, उसमें पांच लोगों की जान गई थी। जनप्रतिनिधियों का काम लोगों को राह दिखाना होता है किसी को उकसाना नहीं होता है।

कार्यकर्ता और पदाधिकारी बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करें

सपा प्रमुख ने कहा कि 27 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने जा रही है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने का आह्वान किया। लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय के डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में विभिन्न जिलों से आए नेताओं को संबोधित करते हुए अखिलेश ने कार्यकर्ताओं को सोशल मीडिया पर संयम बरतने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि मीडिया और मोबाइल सोशल मीडिया पर अच्छी बातें आएंगी तो गुमराह करने वाली बातें भी आएंगी। किसी से लड़ाई-झगड़ा न करें और न ही गलत बात लिखें। जाति-धर्म को लेकर टिप्पणी से बचें तथा अपने आचरण और वाणी पर संयम रखें।

किसी को उचित न्याय न मिलना विचलित करने वाला : मायावती

» बसपा प्रमुख बोलीं- ऊना कांड के दोषियों को सजा दिलाए गुजरात सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने गुजरात के ऊना कांड के दोषियों को सख्त से सख्त सजा दिलवाने की राज्य सरकार से अपील की है। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को फ्री कानूनी सहायता दी जाए जिससे कि उन्हें न्याय मिल सके।

उन्होंने एक्स पर जारी बयान में कहा कि गुजरात राज्य के जिला गिर सोमनाथ के ऊना में सन् 2016 में हुए दलितों पर जघन्य अन्याय-अत्याचार काण्ड के लगभग सभी अभियुक्तों को मार्च में स्थानीय कोर्ट द्वारा बरी करने के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती देकर न्याय पाने के लिये पीड़ित दलित परिवारों को वित्तीय आदि का भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसी विचलित करने वाली कड़वी सच्चाई से खासकर 'बहुजन समाज' के लोगों में भारी चिन्ता व्याप्त है। इसको लेकर मेरी चिंता का विशेष कारण यह भी है कि इस काण्ड के पीड़ितों से मिलने मैं खुद भी वहां गयी थी और वहां सच्चाई का पूरा पता करने के बाद राज्य सरकार से सभी दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने की मांग की थी किन्तु देश भर में इसके खिलाफ रोष व आक्रोश आदि होने के बावजूद 40 में से 35 आरोपी के मार्च महीने में बरी हो जाने की खबर कुछ और नहीं बल्कि दलितों के प्रति सरकारी द्वेष, उनके हित व सुरक्षा के प्रति लापरवाही व उदासीनता आदि का ही परिणाम ज्यादा लगता है।

उन्होंने कहा कि वैसे अभी भी मौका है जब गुजरात सरकार अपनी इस गलती में सुधार करते हुये इस मामले की हाईकोर्ट में उचित पैरवी करके सभी दोषियों को सख्त सजा दिलवाये ताकि पीड़ित परिवारों को न्याय मिल सके और दूसरों को सबक मिल सके। साथ ही, राज्य सरकार पीड़ित परिवार वालों के संतोष के मुताबिक वकील सरकारी खर्च पर उसी तरह मुहैया कराये, जिस प्रकार बसपा की यूपी में मेरी रही सरकार ने गरीबों के लिये फ्री में कानूनी सहायता का कानूनी प्रावधान किया गया था।

रसड़ा से उमाशंकर सिंह के बेटे को टिकट देंगी बसपा चीफ मायावती

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने पार्टी विधायक उमाशंकर सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

सिंह के आवास के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए मायावती ने यह संकेत दिए कि बसपा से उमाशंकर के बेटे को टिकट मिल सकता है। बसपा चीफ ने कहा कि अगर परिवार चाहे तो उनके पुत्र को राजनीति में लाकर बढ़ावा दूंगी और उनके स्थान पर पूरा महत्व दूंगी. हालांकि यह मौका ऐसा कहने का नहीं है लेकिन उमाशंकर खुद सियासत सक्रिय रहे हैं और समाजसेवा की है. तो मैं परिवार चाहेगा तो उनके बेटे को राजनीति में आगे करूंगी। यूपी की पूर्व सीएम ने कहा कि मेरा मानना है कि उनके चुनाव क्षेत्र के लोग भी यही चाहेंगे कि उनके बेटे का समर्थन किया जाए, क्योंकि अब वे हमारे बीच नहीं रहे। इससे पहले मायावती ने कहा कि जब से वे असपा में शामिल हुए, उन्होंने ईमानदारी और वफ़ादारी से काम किया.उन्होंने कभी पार्टी के साथ धोखा नहीं किया. कल बीमारी के कारण उनके निधन की खबर सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ. दुख की इस घड़ी में, मैं उनके पूरे परिवार और रिश्तेदारों के साथ खड़ी हूं. उतार-चढ़ाव के बावजूद, उन्होंने कभी पार्टी के साथ धोखा नहीं किया.।

युवाओं को लामबंद करेगी कांग्रेस

» कांग्रेस की दो टूक- प्रयागराज आएंगे राहुल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के छात्रों की गूंज (छात्र- युवा संवाद) कार्यक्रम को निरस्त करने के मामले को पार्टी जनता के बीच ले जाएगी। हर विधानसभा क्षेत्र में सम्मेलन किए जाएंगे। इन सम्मेलनों में न सिर्फ राहुल गांधी के संदेश को पहुंचाया जाएगा बल्कि ऐन मौके पर कार्यक्रम निरस्त करने के मामले को भी बताया जाएगा। इस रणनीति के जरिए पार्टी युवाओं को लामबंद करेगी।

कांग्रेस लगातार युवाओं को एकजुट करने में जुटी है। इसी रणनीति के तहत विभिन्न स्थानों पर छात्र गूंज कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों में विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं में पेपर लीक होने, नौकरियों को खत्म करने, संविदा भर्ती जैसे मुद्दे उठाए जा रहे हैं। इसी रणनीति के तहत आठ अगस्त को प्रयागराज में छात्रों की गूंज कार्यक्रम का आयोजन केपी ग्राउंड पर किया जा र हा है।

केपी ट्रस्ट की ओर से विभिन्न कारण बताते हुए कार्यक्रम रद्द करने के लिए कहा गया है, लेकिन कांग्रेस इस कार्यक्रम को लेकर अड़ी हुई है। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि निर्धारित समय पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी प्रयागराज पहुंचेंगे। किसी भी कीमत पर कार्यक्रम रद्द नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं है और इसमें किसी पार्टी का झंडा या राजनीतिक गतिविधियां नहीं होंगी।

हर विधानसभा में उठाएंगे मुद्दा : अजय राय

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि राहुल गांधी के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। इसके लिए हर विधानसभा में होने वाले सम्मेलन में उनका संदेश जनता को सुनाया जाएगा। इन सम्मेलनों में यह भी बताया जाएगा कि किस तरह से राहुल गांधी के कार्यक्रम को रद्द करने की षड़यंत्र किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी युवाओं और छात्रों के मुददों को नहीं उठाने देना चाहती है। यही वजह है कि हर स्थान पर ऐन मौके पर कार्यक्रम रद्द कराने का प्रयास किया जाता है, लेकिन प्रयागराज में हर हाल में कार्यक्रम होगा। पार्टी ने इसके लिए पुख्ता तैयारी की है।

हरियाणा की कानून-व्यवस्था चौपट : सुरजेवाला

» कांग्रेस नेता ने सैनी सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने हरियाणा में कानून व्यवस्था पर भाजपा सरकार पर घेरते हुए गृहमंत्री के इस्तीफे की मांग की है। कहा कि मुख्यमंत्री गृह विभाग की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दें। सात दिन के भीतर विशेष जांच दल बनाकर अपराधियों को गिरफ्तार किया जाए और धार्मिक आयोजनों सहित संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए जाएं।

चंडीगढ़ में जारी बयान में सुरजेवाला ने

आरोप लगाया कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। हत्या, लूट, रंगदारी, फिरौती और फायरिंग की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में व्यापारी, महिलाएं और आम नागरिक खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। दादरी में सिटी थाने के सामने हुई ताबड़तोड़ फायरिंग कानून-व्यवस्था की स्थिति को उजागर करती है। अपराधी बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं जबकि सरकार प्रभावी कार्रवाई करने में विफल रही है।

कांग्रेस सांसद ने रंगदारी और फिरौती के मामलों की जांच के लिए उच्चस्तरीय विशेष कार्यबल (एसटीएफ) गठित करने, विदेशी नंबरों से संचालित नेटवर्क का भंडाफोड़ करने और व्यापारियों और आम लोगों को सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने प्रदेश में अवैध हथियारों और गैंगस्टरों के खिलाफ विशेष अभियान चलाने पर भी जोर दिया। उन्होंने सीएम से तीन सवाल पूछते हुए कहा कि जब प्रदेश में अपराध लगातार बढ़ रहे हैं तो गृह विभाग की जिम्मेदारी कौन निभा रहा है?

पंजाब में चुनावी बिसात पर शुरू हुआ खेल

कांग्रेस की गुटबाजी का लाभ लेने के फिराक में विपक्ष

- आप के मजबूत किले को कांग्रेस से ही चुनौती
- कोर टीम पर आखिरी मुहर से पहले भाजपा में सियासी गणित तेज
- सभी धड़ों के बीच संतुलन साधने की चुनौती
- भाजपा को जनाधार बढ़ाने वाले चेहरे की तलाश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जालंधर। वैसे तो धरातल पर आप की सरकार पंजाब में मजबूत दिखाई दे रही है। पर अगले साल होने वाले विस चुनाव से वहां की अन्य पार्टियां अपनी कमर कसना शुरू कर चुकी हैं। स्थानीय निकाय चुनाव में कांग्रेस को लाभ हुआ था ऐसे में वह सत्ता में वापसी की कोई कोर कर नहीं छोड़ना चाहती है। पर उसकी गुटबाजी खत्म न होने से अन्य दल जैसे भाजपा, शिअद अपनी जमीन तलाशने में लग गई है।

सबसे ज्यादा मजबूती से बीजेपी तैयारी में जुटी है। उसने केंद्रीय कबिनेट मंत्री को मंत्रीमंडल से हटाकर राज्य में जिम्मेदारी का मन बना लिया। इस बीच पूर्व सीएम अमरिंद सिंह को मनाने की कोशिश की जा रही है। वहीं राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ प्रदेश नेतृत्व के साथ संभावित नामों पर विचार-विमर्श कर रहे हैं। इसका उद्देश्य क्षेत्रीय और राजनीतिक संतुलन बनाए रखना है। पूर्व आईएएस अधिकारी जगमोहन सिंह राजू संगठनात्मक दायित्वों से अलग होकर सामाजिक विषयों पर ध्यान देना चाहते हैं।

नए चेहरों पर भी नजर

हाल ही में आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा, अशोक मित्तल और विक्रमजीत सिंह साहनी के नाम भी चर्चा में हैं। तीनों के पास संसदीय अनुभव है और अलग-अलग सामाजिक वर्गों में प्रभाव रखते हैं। राघव चड्ढा युवा नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करते हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा में उनके हालिया प्रवेश से उन्हें तुरंत केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह मिलना मुश्किल होगा। उद्योगपति एवं शिक्षाविद अशोक मित्तल उद्योग और शिक्षा क्षेत्र से जुड़ी मजबूत पहचान रखते हैं, जबकि उद्योगपति एवं समाजसेवी विक्रमजीत सिंह साहनी पंजाब और प्रवासी भारतीय समुदाय में अच्छी पकड़ रखते हैं। इसके बावजूद राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा में उनका प्रवेश अपेक्षाकृत हाल का होने के कारण उन्हें तुरंत केंद्रीय मंत्रिमंडल में स्थान मिलना आसान नहीं होगा।

बिट्टू के भविष्य को लेकर भी अटकलें जारी

रवनीत सिंह बिट्टू के भविष्य को लेकर भी राजनीतिक अटकलें जारी हैं। मंत्री पद छोड़ने के बावजूद भाजपा में उनकी भूमिका खत्म होती नहीं दिख रही। पार्टी उन्हें पंजाब संगठन में बड़ी जिम्मेदारी दे सकती है। राजनीतिक हलकों में यह चर्चा भी है कि यदि भाजपा पंजाब में नए नेतृत्व के साथ चुनावी रणनीति बनाती है तो बिट्टू को प्रदेश अध्यक्ष जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी सौंपी जा सकती है। हालांकि इस संबंध में पार्टी की ओर से कोई आधिकारिक संकेत नहीं दिया गया है।

केंद्र में बिट्टू की कुर्सी खाली, नये की तलाश

केंद्रीय मंत्री के लिए चर्चा में कई नाम

केंद्रीय रेल एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के इस्तीफे के बाद पंजाब से केंद्र सरकार में भाजपा का प्रतिनिधित्व है। राष्ट्रपति ने 24 जुलाई 26 को उनका इस्तीफा स्वीकार किया। अब मोदी सरकार पंजाब से अगला केंद्रीय मंत्री किसे बनाएगी, इस पर राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज है। भाजपा आलाकमान ने अभी तक किसी नाम की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। संभावित कैबिनेट विस्तार और फेरबदल की अटकलों के बीच कई नेताओं के नाम चर्चा में हैं। भाजपा के लिए यह फैसला 27 के पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक, सामाजिक और क्षेत्रीय समीकरण साधने का होगा। पार्टी ऐसे चेहरे की तलाश में है जो संगठन को मजबूत करे और राज्य में जनाधार बढ़ाए। पूर्व पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ प्रमुख दावेदारों में से हैं। उनकी साफ-सुथरी छवि, प्रशासनिक अनुभव और किसान परिवार से जुड़ाव उन्हें एक मजबूत विकल्प बनाता है। हालांकि, वह फिलहाल संसद सदस्य नहीं हैं। यदि उन्हें मंत्री बनाया जाता है तो छह महीने के भीतर लोकसभा या राज्यसभा का सदस्य बनना होगा। जाखड़ का पंजाब की राजनीति में गहरा प्रभाव है और वह प्रधानमंत्री मोदी व अमित शाह के करीबी माने जाते हैं। रवनीत सिंह बिट्टू को भी पंजाब संगठन में बड़ी जिम्मेदारी मिलने की अटकलें हैं।

राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने मोर्चा संभाला

राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ प्रदेश नेतृत्व के साथ संभावित नामों पर विचार-विमर्श कर रहे हैं। इसका उद्देश्य क्षेत्रीय और राजनीतिक संतुलन बनाए रखना है। पूर्व आईएएस अधिकारी जगमोहन सिंह राजू संगठनात्मक दायित्वों से अलग होकर सामाजिक विषयों पर ध्यान देना चाहते हैं। इससे नए चेहरों को अवसर मिल सकता है। वरिष्ठ नेता फतेहजंग सिंह बाजवा को नई टीम में महत्वपूर्ण भूमिका मिलने की चर्चा है। कैप्टन अमरिंदर सिंह से जुड़े नेताओं की भूमिका पर भी नजर रहेगी। भाजपा में शामिल होने के बाद उनके समर्थकों को मिलने वाला प्रतिनिधित्व अहम होगा।

कई हैं दावेदार

दूसरे मजबूत दावेदारों में तरुण चुघ का नाम सबसे आगे है। वह भाजपा संगठन के भरोसेमंद रणनीतिकार और राष्ट्रीय नेतृत्व के करीबी माने जाते हैं। हाल ही में राज्यसभा पहुंचने से उनका राजनीतिक कद बढ़ा है। हालांकि, संगठन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका मंत्री बनने में बाधा बन सकती है।

प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों के नेतृत्व में संगठन पुनर्गठन अंतिम चरण में

पंजाब भाजपा में नए प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों के नेतृत्व में संगठन पुनर्गठन अंतिम चरण में है। जिला अध्यक्षों की नियुक्ति के बाद अब पार्टी प्रदेश स्तर की नई कोर टीम पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इसमें उपाध्यक्षों और महासचिवों के नामों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। केंद्रीय नेतृत्व की मंजूरी के बाद नई सूची जल्द जारी होने की उम्मीद है। पार्टी के सामने विभिन्न प्रभावशाली धड़ों, वरिष्ठ नेताओं, सामाजिक वर्गों और पुराने कार्यकर्ताओं के बीच संतुलन स्थापित करने की चुनौती है। 2027 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए अनुभव, संगठन क्षमता और सामाजिक प्रतिनिधित्व वाला संगठन बनाने का लक्ष्य है।

भाजपा के सामने बड़ी चुनौती

भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह ऐसा चेहरा चुने जो सिख, हिंदू, शहरी, ग्रामीण और दलित सभी वर्गों के बीच सकारात्मक संदेश दे सके। इसके साथ ही 27 के विधानसभा चुनाव, संगठनात्मक अनुभव, क्षेत्रीय संतुलन, संसदीय क्षमता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व के प्रति विश्वास जैसे सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा। पंजाब का केंद्र की राजनीति में हमेशा महत्वपूर्ण योगदान रहा है। राज्य ने देश को दो प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह और इंद्र कुमार गुजराल दिए। इसके अलावा सरदार स्वर्ण सिंह, ज्ञानी जैल सिंह, बूटा सिंह, सुरजीत सिंह बरनाला, प्रकाश सिंह बादल, सुखदेव सिंह ढींडसा, हरसिमरत कौर बादल, अंबिका सोनी, अश्वनी कुमार, मनीष तिवारी, एम.एस. गिल, सोम प्रकाश, विजय सांपला और रवनीत सिंह बिट्टू जैसे अनेक नेता केंद्र सरकार में कैबिनेट मंत्री या राज्य मंत्री के रूप में पंजाब का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। ज्ञानी जैल सिंह तो राष्ट्रपति भी बने।

सुनील जाखड़ का प्रभाव भी महत्वपूर्ण

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ का प्रभाव भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जाखड़ समर्थक नेताओं को स्थान देकर पार्टी हिंदू और ग्रामीण वोट बैंक को साध सकती है। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी शर्मा से जुड़े पुराने कार्यकर्ताओं को भी प्रतिनिधित्व मिलने की उम्मीद है। वरिष्ठ नेता मनोरंजन कालिया का दोआबा क्षेत्र में अनुभव और स्वीकार्यता महत्वपूर्ण है। प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश राठौर के प्रभाव वाले नेताओं को भी मालवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में संतुलन के लिए स्थान मिल सकता है। पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय सांपला के समर्थक नेताओं की दावेदारी मजबूत है। दलित समाज में उनकी पकड़ को देखते हुए पार्टी इस वर्ग की उपेक्षा नहीं करेगी। अविनाश राय खन्ना से जुड़े अनुभवी कार्यकर्ताओं को भी संगठन में प्रतिनिधित्व मिल सकता है। संगठन महामंत्री श्रीनिवासल्लू अंतिम सूची को संगठनात्मक दृष्टि से संतुलित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। पार्टी लंबे समय से काम कर रहे टकसाली भाजपाइयों को सम्मानजनक जिम्मेदारियां देगी। इससे पुराने कार्यकर्ताओं का मनोबल मजबूत होगा। सामाजिक संतुलन के लिए दलित नेतृत्व को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देने की संभावना है। पंजाब की सामाजिक और चुनावी परिस्थितियों में यह वर्ग महत्वपूर्ण है। भाजपा अब पूरी ताकत से प्रदेश संगठन को अंतिम रूप देने में जुटी है। पार्टी का प्रयास है कि नई कोर टीम में अनुभव, युवा नेतृत्व और क्षेत्रीय संतुलन हो। इसमें विभिन्न राजनीतिक धड़ों की भागीदारी और सामाजिक प्रतिनिधित्व का मिश्रण होगा। यह आगामी विधानसभा चुनाव से पहले संगठन को मजबूत आधार प्रदान करेगा।

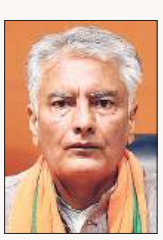

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

रंग बदलने से ज्यादा समस्याएं दूर करना जरूरी

पिछले दस-बारह साल में देश में नाम व रंग बदलने का चलन सा चल पड़ा है। अभी हाल में भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीम की पारंपरिक नीली जर्सी को बदलकर 15 अगस्त से शुरू हो रहे एफआईएच हॉकी विश्व कप 26 में केसरिया रंग की मुख्य जर्सी पहनाने के निर्णय ने देशभर में नई बहस छेड़ दी है। यह बहस केवल खेल तक सीमित नहीं रही है बल्कि राजनीति, संस्कृति, राष्ट्रीय पहचान और खेल परंपरा तक पहुंच गई है। पर देखा जाए तो नाम या रंग बदलने से क्या सबकु छ बदल जाएगा ऐसा नहीं है। सरकारे अपने विचारधारा के हिसाब से फैसले लेती हैं। लेकिन असली मुद्दा तो इस परिवर्तन के साथ खेले की दिक्कतें कम हो खिलाड़ियों की समस्याएं कम हो तब तो नाम या रंग बदलना ठीक है अन्यथा ये एक खानापूर्ति मात्र रह जाएगी। हालांकि एक पक्ष इसे खिलाड़ियों की सुविधा और तकनीकी आवश्यकता से जुड़ा निर्णय बता रहा है तो दूसरा पक्ष इसे भारतीय खेलों के कथित 'भगवाकरण' के रूप में देख रहा है।

सवाल यह है कि क्या वास्तव में जर्सी का रंग बदलना इतना बड़ा मुद्दा है या यह विवाद मूल प्रश्नों से ध्यान भटका रहा है? सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि हॉकी इंडिया ने जर्सी का रंग बदलने का निर्णय किन आधारों पर लिया। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष और भारतीय हॉकी के महान खिलाड़ी रहे दिलीप तिर्की के अनुसार, आज अधिकांश अंतर्राष्ट्रीय हॉकी मुकाबले नीले सिंथेटिक एस्ट्रो टर्फ पर खेले जाते हैं। ऐसे में नीली जर्सी कई बार मैदान की पृष्ठभूमि में घुल-मिल जाती है, जिससे तेज गति वाले खेल में खिलाड़ियों को अपने साथी खिलाड़ियों की पहचान करने में कठिनाई होती है। आधुनिक हॉकी में खेल की गति अत्यंत तेज हो चुकी है, जहां एक सैकेंड का निर्णय मैच का परिणाम बदल सकता है। पासिंग, पोजिशनिंग और त्वरित निर्णय के लिए खिलाड़ियों की स्पष्ट दृश्यता अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इसी कारण खिलाड़ियों, कप्तानों, कोचों और सहयोगी स्टाफ से विचार-विमर्श के बाद अधिक स्पष्ट दिखाई देने वाले रंग के रूप में केसरिया को चुना गया। पूर्व दिग्गज हॉकी खिलाड़ियों की चिंता को भी खारिज नहीं किया जा सकता। खेल केवल तकनीक नहीं, भावनाओं और विरासत का भी विषय होता है। जर्सी केवल कपड़े का टुकड़ा नहीं बल्कि करोड़ों प्रशंसकों की स्मृतियों, खिलाड़ियों के गौरव और राष्ट्रीय खेल संस्कृति का प्रतीक होती है। इसलिए ऐसे किसी भी बड़े परिवर्तन से पहले व्यापक संवाद और पारदर्शिता अपेक्षित थी। वस्तुत: दोनों अतिवादी दृष्टिकोण खेल भावना के अनुकूल नहीं हैं। किसी भी रंग का अपना कोई धर्म नहीं होता।

"सरकारे अपने विचारधारा के हिसाब से फैसले लेती हैं। लेकिन असली मुद्दा तो इस परिवर्तन के साथ खेले की दिक्कतें कम हो खिलाड़ियों की समस्याएं कम हो तब तो नाम या रंग बदलना ठीक है अन्यथा ये एक खानापूर्ति मात्र रह जाएगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

प्रदर्शन से तय हो खेल बजट में राज्यों का हिस्सा

सतीश मेहरा

ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल-2026 ने एक बार फिर देश की खेल व्यवस्था के सामने एक ऐसा प्रश्न खड़ा कर दिया है, जिसका उत्तर केवल आंकड़ों से नहीं, बल्कि नीति और नीयत से दिया जाना चाहिये। जब देश के कुल 13 स्वर्ण पदकों में से 7 गोल्ड अकेले हरियाणा के खिलाड़ी जीतकर लाएं, कुल 39 पदकों में से 11 मेडल पर हरियाणा का कब्जा हो, मुक्केबाजी में भारत के 10 में से 7 पदक हरियाणा दिलाए और फिर भी खेल बजट के मामले में इस प्रदेश की अनदेखी हो, तो सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या देश की खेल नीति प्रदर्शन के आधार पर बन रही है या किसी और आधार पर? महज लगभग दो प्रतिशत आबादी वाला हरियाणा वर्षों से देश की खेल शक्ति का सबसे बड़ा आधार रहा है। ओलंपिक हो, एशियाई खेल हों या कॉमनवेल्थ गेम्स, हर बड़े मंच पर हरियाणा के खिलाड़ी भारत का तिरंगा सबसे अधिक बार बुलंद करते रहे हैं।

इस बार भी हरियाणा ने अपनी परंपरा को कायम रखा। प्रदेश के 11 खिलाड़ियों ने पदक जीते, जिनमें 8 खिलाड़ी पहली बार राष्ट्रमंडल खेलों में उतरे थे। यह बताता है कि हरियाणा केवल चैंपियन नहीं बना रहा, बल्कि लगातार नई विश्वस्तरीय प्रतिभाएं तैयार कर रहा है। सबसे उल्लेखनीय प्रदर्शन मुक्केबाजी में सामने आया। भारत को मिले 10 पदकों में से 7 पदक हरियाणा के मुक्केबाजों ने जीते, जबकि 7 स्वर्ण पदकों में से 6 स्वर्ण हरियाणा की झोली में आए। एथलेटिक्स में भी हरियाणा के खिलाड़ियों ने स्वर्ण, रजत और कांस्य जीतकर साबित कर दिया कि यह प्रदेश केवल एक खेल नहीं, बल्कि लगभग हर खेल में देश की सबसे मजबूत ताकत है। यह सफलता तब मिली है जब इस बार राष्ट्रमंडल खेलों में कुश्ती, हॉकी, बैडमिंटन, क्रिकेट, टेबल टेनिस और कई ऐसे खेल शामिल ही नहीं थे जिनमें हरियाणा की पारंपरिक बादशाहत रही है। यदि ये खेल भी शामिल होते तो भारत के पदक तालिका में हरियाणा की हिस्सेदारी और भी अधिक होती। हरियाणा की सबसे बड़ी ताकत उसकी मिट्टी और उसके परिवार हैं।

यहां के अधिकांश खिलाड़ी छोटे किसानों, मजदूरों और सामान्य परिवारों से निकलते हैं। अनेक माताएं अपनी जरूरतें त्यागकर बच्चों को खेल मैदान तक पहुंचाती हैं। यही कारण है कि आज हरियाणा की बेटियां भी दुनिया में भारत का परचम लहरा रही हैं। इस बार हरियाणा के 11 पदक विजेताओं में 6

बेटियां शामिल रहीं। यह केवल खेल उपलब्धि नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की भी मिसाल है। लेकिन इन उपलब्धियों के बीच सबसे बड़ा प्रश्न देश की खेल नीति पर उठता है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार हरियाणा को केंद्र सरकार से खेल इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए लगभग 63 करोड़ रुपये मिले, जबकि गुजरात को लगभग 661 करोड़ रुपये आवंटित किए गए। इसके अतिरिक्त गुजरात को 'ओलंपिक रेडी' परियोजना के लिए लगभग 5,000 करोड़ रुपये की विशेष मदद भी प्रदान की गई। यदि इन निवेशों का उद्देश्य भविष्य के खिलाड़ी तैयार करना है तो यह अच्छी पहल है, लेकिन तब यह भी पूछा जाना चाहिए कि जो प्रदेश आज देश को सबसे अधिक अंतर्राष्ट्रीय पदक दिला रहा है, उसे उसकी उपलब्धियों के अनुरूप संसाधन क्यों नहीं मिल रहे? विडंबना यह है कि हाल के दिनों में हरियाणा के कई सरकारी स्टेडियमों की जर्जर हालत सामने आई। कहीं सिंथेटिक ट्रैक टूटे हुए हैं, कहीं आधुनिक उपकरणों का अभाव है, तो कहीं खिलाड़ियों को बुनियादी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं। इसके बावजूद हरियाणा के खिलाड़ियों ने विश्व मंच पर भारत का गौरव बढ़ाया। यह उनकी प्रतिभा, अनुशासन और संघर्ष का परिणाम है, न कि सरकारी सुविधाओं का। खेल नीति का पहला सिद्धांत होना चाहिए कि जहां से पदक आएं, वहां निवेश भी सबसे अधिक हो। यदि हरियाणा को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण केंद्र, आधुनिक खेल विज्ञान प्रयोगशालाएं, उच्च स्तरीय कोचिंग और पर्याप्त केंद्रीय सहायता मिले तो यह प्रदेश अकेले भारत के पदकों की संख्या कई गुना बढ़ा सकता है। हालांकि खेलों में निवेश का उद्देश्य केवल भवन बनाना नहीं, बल्कि पदक जीतने वाली प्रतिभाओं को तैयार करना होना चाहिए।

हरियाणा के लिए वर्षों से कहा जाता है- 'देसां में देस हरियाणा, जित दूध-दही का खाणा।' आज यह कहावत केवल संस्कृति की नहीं, बल्कि खेलों की भी पहचान बन चुकी है। देश की सेना में सबसे अधिक योगदान देने वाले प्रदेशों में शामिल हरियाणा आज खेलों में भी राष्ट्र की अग्रिम पंक्ति में खड़ा है। इसलिए यह अपेक्षा अनुचित नहीं कि केंद्र खेल बजट के वितरण में 'प्रदर्शन आधारित मॉडल' अपनाए, न कि केवल राजनीतिक या भौगोलिक प्राथमिकताओं से तय करे। ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल-26 का सबसे बड़ा संदेश स्पष्ट है-भारत को पदक चाहिए तो हरियाणा को संसाधन देने चाहिये।

गहन अंतरिक्ष में विचरता धरती का अनोखा सैलानी

मुकुल व्यास

नासा के वॉयेजर 1 यान का गहन अंतरिक्ष में लंबा सफर आज भी जारी है और वह जल्द ही एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करने वाला है। छोटी कार के आकार का यह अंतरिक्ष यान पृथ्वी का पहला ऐसा यान है, जो अंतर-नक्षत्रीय अंतरिक्ष (दो तारों के बीच का अंतरिक्ष) में पहुंचने में कामयाब हुआ है। लगभग 50 सालों से यह यान पृथ्वी से 61,100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दूर जा रहा है। हैरानी की बात है कि इतने वर्षों तक यात्रा करने के बाद भी यह अभी तक पृथ्वी से 1 प्रकाश दिवस (लाइट डे) की दूरी तक नहीं पहुंच पाया है। अब नासा के वैज्ञानिकों ने उस सटीक समय का पता लगा लिया है, जब ऐसा होगा और हम उससे बस कुछ ही महीने दूर हैं।

यह यान 18 नवंबर, 2026 को दोपहर 3:46 बजे अपने गृह ग्रह से 25.9 अरब किलोमीटर की दूरी पर पहुंच जाएगा। प्रकाश दिवस दरअसल उस दूरी को कहते हैं, जिसे प्रकाश एक दिन में तय करता है। अंतरिक्ष में दूरियां बताने के लिए वैज्ञानिक प्रकाश दिवस के अलावा प्रकाश वर्ष का भी बार-बार उल्लेख करते हैं। प्रकाश वर्ष दरअसल दूरी की एक इकाई है, जो यह मापती है कि प्रकाश की किरण एक वर्ष में अंतरिक्ष में कितनी दूरी तय करती है। एक प्रकाश वर्ष लगभग 9.46 ट्रिलियन किलोमीटर के बराबर होता है। अंतरिक्ष के वैक्यूम में प्रकाश लगभग 299,792 किलोमीटर प्रति सेकंड की गति से चलता है। चूंकि प्रकाश को अंतरिक्ष में यात्रा करने में समय लगता है, इसलिए दूर स्थित किसी वस्तु को देखने का अर्थ है कि आप उसे वैसा देख रहे हैं, जैसा वह अतीत में दिखता था। उदाहरण के लिए, हमारा निकटतम तारा प्रॉक्सिमा सेंटौरी 4.2 प्रकाश वर्ष दूर है, इसलिए उसके प्रकाश को हमारी आंखों तक पहुंचने में 4.2 वर्ष लगते हैं। वॉयेजर 1 को एक प्रकाश दिवस की दूरी तक पहुंचने में 49 साल से ज्यादा का समय लगेगा। वॉयेजर 1 और उसका जुड़वां यान वॉयेजर 2 ऐसे अंतरिक्ष यान हैं, जो हेलियोस्फीयर (सूरज से निकलने वाले कणों और चुंबकीय क्षेत्रों का सुरक्षा कवच) के बाहर काम कर रहे हैं। वॉयेजर 1 का असली मिशन बृहस्पति और शनि के पास से गुजरना था। ये लक्ष्य उसने क्रमश: 1979 और 1980 में पूरे कर लिए।

इसके बाद वह गहन अंतरिक्ष में आगे बढ़ता ही गया। इस सफर के दौरान वॉयेजर 1 और 2 ने बृहस्पति, शनि, यूरेनस और नेपच्यून के पास से गुजरते हुए तस्वीरें भेजी हैं। दोनों यानों ने चारों विशाल ग्रहों का अध्ययन किया। उन्होंने बृहस्पति के चंद्रमा आयो पर पृथ्वी से परे पहले सक्रिय ज्वालामुखियों की खोज की। दोनों यानों ने मिलकर 22 नए चंद्रमाओं की खोज की। इनमें बृहस्पति के 3, शनि के 3, यूरेनस के 10 और नेपच्यून के 6 चंद्रमा शामिल हैं। दोनों ने बृहस्पति के चंद्रमा यूरोपा पर सतह के नीचे तरल महासागर के पहले संकेतों का पता लगाया। उन्होंने बृहस्पति, यूरेनस और नेपच्यून की जटिल वलय प्रणालियों की तस्वीरें भी लीं।

वॉयेजर 1 ने 25 अगस्त, 2012 को अंतर-नक्षत्रीय अंतरिक्ष में प्रवेश किया, जिसके बाद वॉयेजर 2 ने 5 नवंबर, 2018 को अंतर-नक्षत्रीय अंतरिक्ष में प्रवेश किया। दोनों यान सबसे दूर स्थित मानव-निर्मित वस्तुएं हैं, जो दशकों पुरानी तकनीक के माध्यम से संचार करती हैं। वॉयेजर मिशन के इतना आगे बढ़ने के बावजूद प्लूटोनियम से चलने वाले इस अंतरिक्ष यान की ऊर्जा धीरे-धीरे खत्म हो रही है। इसे थोड़े और समय तक चालू रखने के लिए नासा पिछले एक साल से इसके उपकरणों को एक-एक करके बंद कर रहा है। अब उसके पास सिर्फ दो उपकरण बचे हैं। ये हैं मैग्नेटोमीटर और प्लाज्मा वेव सबसिस्टम, जो अभी भी तारों के बीच के अंतरिक्ष की हल्की विद्युत-चुंबकीय धड़कन को रिकॉर्ड कर रहे हैं। नासा का अनुमान है कि यह अंतरिक्ष यान 2030 के दशक की शुरुआत तक पृथ्वी के साथ संपर्क बनाए रखेगा। उम्मीद है कि तब तक इसकी पावर सप्लाई किसी भी चीज को चलाने के लिए जरूरी स्तर से नीचे नहीं जाएगी। लेकिन बंद होने का मतलब इसके मिशन का अंत नहीं होगा। वॉयेजर 1 और 2 दोनों में सोने की परत चढ़ी तांबे की डिस्क लगी हैं, जिन्हें 'गोल्डन रिकॉर्ड' कहा जाता है, जिन पर पृथ्वी पर जीवन और संस्कृति से जुड़ी जानकारी उकेरी गई है। वॉयेजर की डिस्क पर 50 से अधिक भाषाओं में अभिवादन के अलावा धरती की आवाजें रिकॉर्ड की गई हैं। डिस्क पर रिकॉर्ड की गई भाषाओं में हिंदी सहित प्रमुख भारतीय भाषाएं शामिल हैं। केसरबाई केरकर द्वारा गाई गई एक प्रसिद्ध शास्त्रीय ठुमरी, 'जात कहां हो', को भी डिस्क में शामिल किया गया है। इसमें एक पल्सर नक्शा है, जो ब्रह्मांड में पृथ्वी की लोकेशन दिखाता है। उन्नत पारलौकिक सभ्यताएं इस नक्शे की मदद से पृथ्वी को खोज सकती हैं।

गोल्डन रिकॉर्ड में उस समय के अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर का एक शुरुआती संदेश भी शामिल है। जब वॉयेजर 1 लॉन्च हुआ था, तब वे ही राष्ट्रपति थे। उन्होंने अपने संदेश में कहा था, हम यह संदेश ब्रह्मांड में भेज रहे हैं। मुमकिन है कि यह हमारे भविष्य में एक अरब साल तक सुरक्षित रहे। तब तक हमारी सभ्यता पूरी तरह बदल चुकी होगी और धरती की सतह भी शायद बहुत बदल गई होगी। मिल्की वे आकाशगंगा में मौजूद 200 अरब तारों में से कुछ या शायद कई ऐसे ग्रह हो सकते हैं, जहां जीवन हो। वहां अंतरिक्ष की यात्रा करने वाली सभ्यताएं हो सकती हैं। अगर ऐसी कोई सभ्यता वॉयेजर को ढूंढ़ लेती है और इसमें रिकॉर्ड की गई चीजों को समझ पाती है, तो उसके लिए हमारा संदेश यह है—'यह एक छोटी-सी दूर की दुनिया की तरफ़ से तोहफा है।

विटामिन-डी वाली इन चीजों से दूर रहेंगी संक्रामक बीमारियां

क्यों जरूरी है विटामिन-डी

विटामिन-डी के अल्पकालिक और दीर्घकालिक कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ हो सकते हैं। ये इम्युनिटी को मजबूत बनाकर फ्लू सहित कई प्रकार की संक्रामक बीमारियों से बचाने के लिए तो जरूरी है ही साथ ही कैल्शियम के अवशोषण को बढ़ाकर मजबूत हड्डियों के निर्माण के लिए भी महत्वपूर्ण है। आहार में पर्याप्त कैल्शियम और विटामिन-डी की मात्रा ऑस्टियोपोरोसिस जैसी हड्डियों की गंभीर समस्याओं को रोकने में मदद करती है। सूरज की रोशनी विटामिन-डी का सबसे अच्छा स्रोत है। मानसून के दिनों में आहार में कई चीजों को शामिल करके भी इसका आसानी से पूर्ति की जा सकती है?

अंडा

मानसून के दिनों में विटामिन-डी की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अंडे खाना विशेष लाभकारी हो सकता है। अंडे के सफेद भाग में भरपूर प्रोटीन होता है, वहीं इसकी जर्दी विटामिन-डी सहित कई अन्य प्रकार के पोषक तत्वों से भरपूर होती है। रोजाना दो-तीन अंडे शरीर के लिए जरूरी प्रोटीन, विटामिन्स और मिनरल्स का आसानी से पूर्ति करने में सहायक हैं।

नट्स और सीड्स

विटामिन-डी प्राप्त करने के लिए नट्स और सीड्स भी अच्छे स्रोत हो सकते हैं। काजू और हेजलनट्स, बादाम के सेवन से इसकी आसानी से पूर्ति की जा सकती है। काजू विटामिन-डी के सबसे अच्छे स्रोतों में से एक है। इसके अलावा चिया सीड्स, कद्दू के बीज के नियमित सेवन से भी शरीर के लिए इस पोषक तत्व की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सकता है। इसके अलावा बादाम में विटामिन बी, फाइबर, जिंक, कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटेशियम, विटामिन ई और आयरन भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है।

फल-सब्जियां

दैनिक आहार में कई प्रकार के मौसमी फलों-सब्जियों को शामिल करना भी महत्वपूर्ण है। केला, कीवी, पपीता और संतरे जैसे फलों को शामिल करने से आपको विटामिन डी की जरूरतें पूरी करने में मदद मिल सकती है। संतरे में कैल्शियम के साथ-साथ विटामिन डी भी होता है। कई सब्जियां भी इस विटामिन से भरपूर मानी जाती हैं। शाकाहारी लोग हरी पत्तेदार सब्जियों और साग जैसे केल, पालक और कोलार्ड से विटामिन डी प्राप्त कर सकते हैं। विटामिन-डी के अलावा, ये सब्जियां विटामिन के आयरन और फाइबर की भी पूर्ति करती हैं।

शरीर को स्वस्थ रखने, रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने और कई प्रकार की बीमारियों से बचाव के लिए हमें रोजाना आहार के माध्यम से भरपूर मात्रा में पोषक तत्वों की जरूरत होती है। विटामिन-डी हमारी सेहत के लिए महत्वपूर्ण है। हड्डियों को मजबूत रखने, शरीर में कैल्शियम के अवशोषण को बढ़ाने और इम्युनिटी सिस्टम की मजबूती के लिए विटामिन-डी हमारे लिए बहुत आवश्यक माना जाता है। मानसून के बाद के दिनों में विटामिन-डी वाली चीजों को आहार का हिस्सा जरूर बनाना चाहिए, इसके कई स्वास्थ्य लाभ हो सकते हैं। विटामिन की कमी के कारण आपमें कई प्रकार की संक्रामक बीमारियों के जोखिम भी हो सकता है। ऐसे में आहार के माध्यम से इसकी पूर्ति पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

हंसना मना है

दो महिलाएं एक फंक्शन में गईं। वहां पहली महिला जिस भी जगह बैठने लगती तो..दूसरी महिला उसकी बैठने की जगह को अपने दुपट्टे से साफ कर देती। तब किसी ने दूसरी महिला से पूछा कि तू खुद की बजाय, इस औरत की जगह क्यों साफ कर रही है? तो वो महिला बोली, क्या करूं बहना? ये मेरी जेठानी है ! और ये आज मेरी साड़ी पहन कर आई है।

गांव में आधार कार्ड बन रहा था। कम्प्यूटर ऑपरेटर ने एक महिला से पूछा- तुम्हारे घरवाले का क्या नाम है? महिला बोली— हमारे यहां घरवाले का नाम नहीं लिया जाता। ऑपरेटर- कुछ हिंट दो मैं भर देता हूं। महिला बोली — 3 गंजी 3 गंजी। ऑपरेटर चकरा गया। तभी बगल में खड़ा एक लड़का बोला-छगनजी?

एक नीग्रो बस में अपने बच्चे के साथ जा रहा था। कंडक्टर ने उसका बच्चा देखकर कहा- इतना काला बच्चा मैंने आज तक नहीं देखा, नीग्रो को गुस्सा आया, लेकिन वो कुछ नहीं बोला और सीट पर आकर मुह फुलाकर बैठ गया। संता ने उससे पूछा-क्या हुआ भाई साहब? नीग्रो ने कहा- अरे यार, उस कंडक्टर ने बेइज्जती कर दी। संता- अरे मार साले को जाकर ला ये चिम्पांजी का बच्चा मुझे पकड़ा दे। साला काटेगा तो नहीं...

कहानी — धूर्त बिल्ली का न्याय

जंगल में एक पेड़ में कपिंजल नाम का एक तीतर रहा करता था। हर रोज वह खाना ढूंढने खेतों में जाया करता था और शाम तक लौट आता था। एक दिन खाना ढूंढते-ढूंढते कपिंजल अपने दोस्तों के साथ दूर किसी खेत में निकल गया और शाम को नहीं लौटा। जब कई दिनों तक तीतर वापस नहीं आया, तो उसके खोल को एक खरगोश ने अपना घर बना लिया और वहीं रहने लगा। लगभग दो से तीन हफ्तों बाद तीतर वापस आया। लौट कर उसने देखा कि उसके घर में खरगोश रह रहा है। यह देख कर उसे बहुत गुस्सा आ गया और उसने झल्लाकर खरगोश से कहा, ये मेरा घर है। निकलो यहां से। तीतर को चिल्लाते देख खरगोश को भी गुस्सा आ गया और उसने कहा, कैसा घर? कौन सा घर? जंगल का नियम है कि जो जहां रह रहा है, वही उसका घर है। तुम यहां रहते थे, लेकिन अब यहां मैं रहता हूं और इसलिए यह मेरा घर है। इस तरह दोनों के बीच बहस शुरू हो गई। तब तीतर ने कहा कि इस बात का फैसला हम किसी तीसरे को करने देते हैं। उन दोनों की इस लड़ाई एक बिल्ली देख रही थी। उसने सोचा कि अगर फैसले के लिए ये दोनों मेरे पास आ जाएं, तो मुझे इन्हें खाने का एक अच्छा अवसर मिल जाएगा। यह सोच कर वह ज्ञान की बातें करने लगी। उसकी बातों को सुनकर तीतर और खरगोश ने बोला कि यह कोई ज्ञानी लगती है और हमें फैसले के लिए इसके ही पास जाना चाहिए। उन दोनों ने दूर से बिल्ली से कहा, बिल्ली मौसी, हमारी मदद करो और जो भी दोषी होगा, उसे तुम खा लेना। बिल्ली ने कहा, अब मैंने हिंसा का रास्ता छोड़ दिया है, लेकिन मैं तुम्हारी मदद जरूर करूंगी। समस्या यह है कि मैं अब बूढ़ी हो गई हूं और इतने दूर से मुझे कुछ सुनाई नहीं दे रहा है। क्या तुम दोनों मेरे पास आ सकते हो? उन दोनों ने बिल्ली की बात पर भरोसा कर लिया और उसके पास चले गए। जैसे ही वो उसके पास गए, बिल्ली ने तुरंत पंजा मारा और एक ही झपट्टे में दोनों को मार डाला।

7 अंतर खोजें

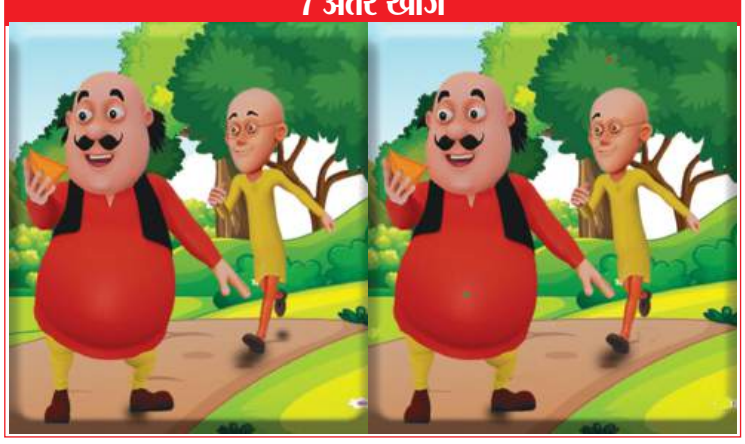

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

चंद्रमा आपकी ही राशि में होने से मन में नया उत्साह रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी निर्णय क्षमता और नेतृत्व की सराहना होगी। क्रोध और जल्दबाजी में कोई वित्तीय फैसला न लें।

वृषभ

अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखें, बजट प्रभावित हो सकता है। विदेश से जुड़ा व्यापार करने वालों को नए अवसर मिल सकते हैं। आंखों की सेहत और खान-पान का विशेष ध्यान रखें।

मिथुन

मंगल आपकी राशि में होने से ऊर्जा और साहस में वृद्धि होगी। आकस्मिक धन लाभ और आय के नए स्रोत बनने के योग हैं। दोस्तों और सहकर्मियों का पूरा सहयोग मिलेगा।

कर्क

सूर्य, बुध और गुरु आपकी राशि में होने से समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। करियर और व्यापार में बड़ी सफलता मिलने के आसार हैं। पारिवारिक जीवन सुखद और शांतिपूर्ण रहेगा।

सिंह

भाग्य का पूरा साथ मिलेगा, अटके हुए काम पूरे होंगे। धार्मिक या आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी। व्यापारिक यात्रा लाभदायक सिद्ध हो सकती है।

कन्या

आज लेनदेन के मामलों में थोड़ी सावधानी बरतने की जरूरत है। अचानक किसी काम में रुकावट आ सकती है। गोपनीय बातों को सहकर्मियों के साथ साझा न करें।

तुला

व्यापार में साझेदारी से बड़ा लाभ मिलने के योग हैं। दैनिक रोजगार में वृद्धि होगी और मन प्रसन्न रहेगा। जीवनसाथी के साथ संबंध और अधिक मजबूत होंगे।

वृश्चिक

प्रतिस्पर्धियों और शत्रुओं पर आपकी विजय होगी। नौकरी में आपका प्रदर्शन शानदार रहेगा और काम में तेजी आएगी। लव लाइफ में संवाद बनाए रखें, छोटी बातों को तूल न दें।

धनु

प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे लोगों के लिए शुभ दिन है। बौद्धिक कार्यों और रचनात्मकता से धन लाभ होगा। प्रेमी के साथ भावनात्मक लगाव बढ़ेगा।

मकर

भौतिक सुख-सुविधाओं और संपत्ति में वृद्धि के योग हैं। कार्यस्थल पर काम का दबाव रह सकता है, तनाव से बचें। माता जी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें और उनके साथ समय बिताएं।

कुम्भ

राहु आपकी राशि में होने से विचारों में स्पष्टता बनाए रखें। आपके पराक्रम और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। छोटे भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा और छोटी यात्रा के योग हैं।

मीन

शनि आपकी राशि में होने से हर काम में अनुशासन रखें। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और फंसा हुआ धन वापस मिल सकता है। व्यर्थ के विवादों से खुद को दूर रखें।

बॉलीवुड | मन की बात

आजकल मेरे दिन सोने और आराम करने में बीतते हैं : रश्मिका मंदाना

बीते दिनों अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने हिप इंजरी की खबर फैंस के साथ शेयर की थी। फिल्म 'मैसा' की शूटिंग के दौरान उनके साथ यह हादसा हुआ था। हाल ही में अपनी नई इंस्टाग्राम स्टोरी में एक्ट्रेस ने फैंस के साथ अपना रिकवरी रूटीन भी शेयर किया है। रश्मिका मंदाना ने इस स्टोरी में बताया कि घर पर आराम करने के दौरान वह किस तरह अपना दिन बिता रही हैं। उन्होंने लिखा, 'आजकल मेरे दिन खूब सोने और आराम करने में बीतते हैं। इसके साथ ही में कई किताबें पढ़ने, पहेलियां सुलझाने, शो देखने, बालों और स्किन की देखभाल करने, मीटिंस में भाग लेने और परिवार के साथ समय बिताने में गुजारती हूं। इतना ही नहीं मेरे पेट डॉग ऑरा के साथ भी इन दिनों में काफी समय बिता रही हूं।'इससे पहले एक पोस्ट में रश्मिका ने अपनी चोट की जानकारी शेयर की थी। उन्होंने लिखा, अब आपको आसान भाषा में बताती हूं कि मुझे क्या हुआ है। हमारी हिप के दोनों तरफ 4-4 टेंडन होती हैं। जो हिप को पैरों से जोड़ती हैं। मेरी राइट हिप का एक टेंडन अपनी जगह से अलग हो गया है। अब उसके दोबारा जुड़ने के बाद ही मैं अपना पैर ठीक से उठा पाऊंगी और पहले की तरह चल-फिर पाऊंगी। ये सब मेरी फिल्म मैसा की डांस शूटिंग के दौरान हुआ।' रश्मिका की आगामी फिल्म मैसा की शूटिंग चल रही है। फिल्म का निर्देशन नवोदित निर्देशक रवींद्र पुल्ले कर रहे हैं। इसका निर्माण अनफॉर्मूला फिल्म्स के बैनर तले हो रहा है। यह फिल्म गोंड जनजाति की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर आधारित एक इमोशनल एक्शन थ्रिलर बताई जा रही है। रश्मिका इसमें एक गोंड महिला की भूमिका निभा रही हैं। इसके अलावा वे अपने एक्टर-पति विजय देवरकोंडा के साथ फिल्म रणबाली में नजर आएंगी।

देश के सबसे महंगे स्टार बने शाहरुख खान, दूसरे नं. पर पहुंचे रणवीर सिंह

शाहरुख खान एक बार फिर से ऐसे स्टार बन चुके हैं जिनकी ब्रैंड वैल्यू सबसे अधिक है। भारत के सबसे महंगे सेलेब्रिटी बन चुके शाहरुख दो ब्लॉकबस्टर फिल्में, एंडोर्समेंट का बढ़ता पोर्टफोलियो उन्हें टॉप पोजिशन पर ले आया है। वहीं धुरंधर स्टार रणवीर सिंह दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। इसी के साथ उन्होंने विराट कोहली को पीछे छोड़कर दूसरा स्थान हासिल किया है।

पिछले साल के मुकाबले इस साल की रिपोर्ट में बड़े चेंजेज हुए हैं, खासकर टॉप 3 के पोजिशन में। शाहरुख जहां पहले नंबर पर हैं, वहीं रणवीर सिंह 162.9 मिलियन डॉलर की ब्रांड वैल्यू के साथ विराट कोहली को पीछे पछाड़ते हुए दूसरे स्थान पर आ गए हैं।

छठे पोजिशन पर आलिया भट्ट हैं और सातवें पर दीपिका

वहीं पिछले साल के पोजिशन की बात करें तो शाहरुख खान तीसरे नंबर पर थे।

बता दें कि एक ही साल में दो बड़ी हिट फिल्में जवान, पठान जैसी फिल्मों की सक्सेस के बाद ऐड की दुनिया में उनकी डिमांड काफी बढ़ गई है। उनके ब्रैंड एंडोर्समेंट्स की संख्या पिछली बार के मुकाबले 28 से बढ़कर 36 हो गई है। दूसरे नंबर की बात करें तो धुरंधर फ्रेंचाइजी के ब्लॉकबस्टर होने के बाद रणवीर सिंह की ब्रैंड वैल्यू में जबरदस्त उछाल आया है। वहीं, पिछले साल नंबर वन पर रह चुके विराट कोहली 158.4 मिलियन डॉलर की वैल्यू के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

इसके बाद कुछ क्रिकेटर्स और फिर छठे पोजिशन पर आलिया भट्ट हैं। उनकी ब्रैंड वैल्यू 93.9 मिलियन डॉलर है। वहीं दीपिका पादुकोण भी इस लिस्ट में हैं और 89.2 मिलियन डॉलर के साथ वो सातवें और 99.9 मिलियन डॉलर के साथ ऋतिक रोशन आठवें पोजिशन पर हैं।

श्रेया कालरा बनीं ऑक अप 2 की विनर, एक करोड़ रुपये का मिला इनाम

श्रेया कालरा ने शो 'लॉक अप सीजन 2' की ट्रॉफी अपने नाम कर ली है। वे शुरू से इसकी मजबूत दावेदार थीं। उन्हें इनाम के तौर पर 1 करोड़ रुपये मिले। शिवांगी जोशी पहली रनरअप रहीं। योगेश रावत, राम कपूर और शिल्पा शिंदे ने कड़ी टक्कर मिली। शो में बीते छह हफ्तों में जबरदस्त ड्रामा, तीखी नोक-झोंक, इमोशनल लम्हे नजर आए, जिसने दर्शकों को रियलिटी शो से बांधे रखा। रितेश देशमुख और फराह खान कुछ घंटों में विनर का ऐलान कर दिया। सोशल मीडिया पर तमाम लोग विनर के नाम पर चर्चा कर रहे थे। ज्यादातर लोगों को लगता था कि श्रेया ट्रॉफी जीत सकती हैं जो सच साबित हुआ।

एक्स पर कई पोस्ट्स में योगेश रावत को भी ट्रॉफी का मजबूत दावेदार मा रहे थे। योगेश रावत 'रोडीज' और 'स्पिट्सविला' जैसे शोज से पॉपुलर हुए थे। फिनाले से पहले, वरुण यादव को 'ऑक अप 2' से एलिमिनेट कर दिया गया। ग्रैंड फिनाले रात 8 बजे से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रहा था। एकता कपूर ने विजेता की अफवाहों पर रिएक्शन दिया है। सोशल मीडिया यूजर ने एकता कपूर से पूछा कि क्या 'श्रेया कालरा' लॉक अप 2 जीतेंगी? मेकर ने पोस्ट पर लिखा, 'क्यों अगर शिवांगी होंगी तो कोई समस्या है क्या?'

शो के लेटेस्ट एपिसोड में सीजन का सबसे बड़ा ट्विस्ट भी देखने को मिला। हर्षद चोपड़ा एक टास्क के बाद पहले फाइनलिस्ट बने। सोमवार 3 अगस्त के एपिसोड में श्रेया कालरा को एक कंटेस्टेंट को बाहर करने की पावर दी गई और उन्होंने शिवांगी जोशी को चुना। इसके बाद, रितेश देशमुख ने हर्षद को एक चॉइस दी। वे या तो खुद को एलिमिनेट करके शिवांगी को बचा लें या फिर कॉम्पिटिशन में बने रहें। हर्षद ने फिनाले में अपनी जगह छोड़ने का फैसला किया, जिससे शिवांगी गेम में बनी रह सकीं।

अजब-गजब | यहां लोग जोखिम में डाल रहे हैं जान?

बीचों-बीच टूटकर पानी में झुक गया पुल, फिर भी गाड़ियां दौड़ाते हैं लोग

दुनियाभर में कई ऐसे अजीबोगरीब ब्रिज हैं, जिन्हें देखकर हैरानी होती है। इनमें से किसी पुल के ऊपर से नहर और नीचे से नदी गुजरती है, तो कोई सीधी ऊंचाई पर ले जाता है। वहीं, कोई पुल नदी के ऊपर बिना खंभों के लकड़ी के सहारे टिका हुआ है। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे ब्रिज के बारे में बताने जा रहे हैं, जो तूफान की वजह से बीचों-बीच धंस गया। ऐसे में इससे गुजरने पर सरकार ने प्रतिबंध लगा दिया, लेकिन इसके बावजूद तेज रफ्तार में लोग कार लेकर गुजरते हैं। हम बात कर रहे हैं यूरोपीय देश ग्रीस के थेसाली क्षेत्र के पिनियोस नदी पर बने पलाइओपिर्गोस पुल की, जो आधिकारिक तौर पर कई साल पहले आई प्राकृतिक आपदा में ढह चुका है और कागजों में पूरी तरह से बंद घोषित है। इसके बावजूद, स्थानीय लोग अपनी जान हथेली पर रखकर इस टूटे और बीच से बुरी तरह झुके हुए पुल से अपनी गाड़ियां पार करा रहे हैं।

बता दें कि सितंबर 2023 में विनाशकारी डेनियल तूफान ने ग्रीस, बुल्गारिया और तुर्की में भारी तबाही मचाई थी। इस तूफान और बाढ़ के कारण ग्रीस के इंफ्रास्ट्रक्चर को भारी नुकसान पहुंचा था और अकेले थेसाली क्षेत्र में ही 79 पुल क्षतिग्रस्त हो गए थे। इन्हीं में से एक था पिनियोस नदी पर बना पलाइओपिर्गोस पुल। बाढ़ के बहाव में यह पुल बीच से टूटकर नीचे धंस गया था। तबाही के बाद ग्रीस सरकार ने इस पुल को यातायात के लिए पूरी तरह से अयोग्य घोषित कर दिया था। वर्तमान में इस पुल का मध्य भाग नदी के पानी से महज कुछ ही इंच ऊपर है और यह किसी भी क्षण पूरी तरह से पानी में समा सकता है। हालांकि, प्रशासन की सबसे बड़ी लापरवाही यह रही कि उन्होंने चेतावनी के बोर्ड तो लगा दिए, लेकिन पुल के दोनों सिरों पर मजबूत बैरिकेडिंग या नाकेबंदी नहीं की, जिसके कारण लोगों को इस खतरनाक पुल पर चढ़ने का सीधा रास्ता मिल जाता है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रोज दर्जनों गाड़ियां इस टूटे पुल पर धीमी रफ्तार में किसी एडवेंचर गेम की तरह संतुलन बनाते हुए गुजरती हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि वे ऐसा मजबूरी में कर रहे हैं। इस पुल के बंद होने से टेम्पी और अगिया नगर पालिकाओं का संपर्क टूट जाता है। यदि लोग वैकल्पिक और सुरक्षित रास्ते का इस्तेमाल करते हैं, तो उन्हें बहुत लंबा चक्कर लगाना पड़ता है, जिससे उनका काफी कीमती समय और महंगा पेट्रोल-डीजल बर्बाद होता है। इतना ही नहीं, इस खतरनाक रास्ते का खामियाजा बाहरी पर्यटकों को भी भुगतना पड़ रहा है। नेविगेशन ऐप्स अक्सर पर्यटकों को इसी ढहे हुए पुल वाले रास्ते पर भेज देते हैं. जब पर्यटक यहां पहुंचते हैं, तो टूटे हुए पुल और चेतावनी बोर्ड देखकर या तो वे खौफ में आकर वापस लौटने को मजबूर होते हैं या फिर देखा-देखी अपनी जान जोखिम में डालकर पुल पार करने की कोशिश करते हैं.

ये है भारत की सबसे छोटी नदी, जो सिर्फ कुछ किमी में हो जाती है खत्म, दूर-दूर से देखने आते हैं लोग

भारत अपनी विशाल नदियों, पहाड़ों और प्राकृतिक धरोहरों के लिए दुनिया भर में जाना जाता है। गंगा, ब्रह्मपुत्र और गोदावरी जैसी नदियों के बारे में तो लगभग हर कोई जानता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि देश में एक ऐसी नदी भी है, जिसकी लंबाई महज 45 किलोमीटर है? आकार में छोटी होने के बावजूद यह नदी अपने इतिहास, पर्यावरण और पुनर्जीवन की प्रेरणादायक कहानी के कारण बेहद खास मानी जाती है। राजस्थान के अलवर जिले में बहने वाली अरवरी नदी को भारत की सबसे छोटी नदियों में गिना जाता है। यह नदी अरावली पर्वतमाला से निकलती है और आगे चलकर सरसा नदी में मिल जाती है। अरवरी कोई बारहमासी नदी नहीं है, बल्कि यह वर्षा पर निर्भर करती है। मानसून के दौरान इसमें पानी भर जाता है और आसपास का इलाका हरियाली से खिल उठता है, जबकि गर्मियों में इसका बहाव काफी कम हो जाता है।

हालांकि लंबाई के लिहाज से यह नदी छोटी है, लेकिन आसपास के गांवों के लिए इसकी अहमियत बहुत बड़ी है। अरवरी नदी खेतों की सिंचाई, भूजल स्तर को बनाए रखने और स्थानीय लोगों की आजीविका में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यही वजह है कि इसे इस क्षेत्र की जीवनरेखा भी कहा जाता है। अरवरी नदी की सबसे खास बात इसका पुनर्जीवन है। करीब तीन दशक पहले यह नदी लगभग सूख चुकी थी। लगातार भूजल दोहन, पेड़ों की कटाई और वर्षा जल के सही संरक्षण की कमी के कारण इसका अस्तित्व खतरे में पड़ गया था। लेकिन स्थानीय ग्रामीणों ने हार नहीं मानी। उन्होंने पारंपरिक जल संरक्षण प्रणाली 'जोहड़' का सहारा लिया और कई छोटे-छोटे मिट्टी के बांध बनाए। इन संरचनाओं ने वर्षा जल को रोकने और भूजल को फिर से रिचार्ज करने में बड़ी भूमिका निभाई। धीरे-धीरे इसका असर दिखाई देने लगा और वर्षों से सूखी पड़ी अरवरी नदी में फिर से पानी बहने लगा। आज यह नदी सामुदायिक प्रयास और पर्यावरण संरक्षण की एक प्रेरणादायक मिसाल बन चुकी है। देश-विदेश से कई लोग इस मॉडल को समझने और देखने भी पहुंचते हैं। अगर आप राजस्थान की यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो अरवरी नदी के आसपास का इलाका भी आपकी सूची में शामिल हो सकता है। यहां आपको ग्रामीण जीवन की सादगी, अरावली की शांत पहाड़ियां और प्रकृति के बीच सुकून भरा माहौल देखने को मिलेगा। इसके साथ ही सरिस्का टाइगर रिजर्व, भानगढ़ किला, सिलीसेढ़ झील और अलवर सिटी पैलेस जैसी प्रसिद्ध जगहें भी पास में मौजूद हैं। अरवरी नदी यह साबित करती है कि किसी स्थान की पहचान केवल उसके आकार से नहीं होती, बल्कि उसके महत्व और उससे जुड़ी कहानी से होती है। महज 45 किलोमीटर लंबी यह नदी आज इस बात का जीवंत उदाहरण है कि यदि समाज और प्रकृति साथ मिलकर काम करें, तो सूखी धरती पर भी फिर से जीवन लौट सकता है।

भागवत के जेन जेड के समर्थन में उतरने पर गरमाई सियासत

संघ प्रमुख बोले- लोकतंत्र में सहमति बनाने का एक तरीका विरोध भी है

» नई पीढ़ी हमारी मौजूदा पीढ़ी से ज़्यादा ईमानदार है : मोहन भागवत

» झारखंड मुक्ति मोर्चा ने संघ प्रमुख का दिया साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने जेन जेड के समर्थन बोलने पर सियासत गरमा गई है। जहां कांग्रेस व राजद ने उन पर व भाजपा निशाना साधा वही जेएमएम ने साथ दिया है। संघ प्रमुख ने विरोध-प्रदर्शनों को जायज़ ठहराते हुए कहा कि वे राष्ट्र-विरोधी नहीं, बल्कि हमारी अगली पीढ़ी हैं जिनकी शिकायतें सही हैं। उन्होंने भारत की शिक्षा व्यवस्था में तत्काल सुधार की आवश्यकता पर बल दिया, इसे केवल सरकार की नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी बताया। भागवत ने युवाओं की ईमानदारी और उनकी आकांक्षाओं पर गहरा विश्वास व्यक्त किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि उनकी शिकायतें जायज़ हैं और भारत की शिक्षा प्रणाली में सुधार की ज़रूरत है।

हाल ही में छात्रों के विरोध-प्रदर्शन और प्रदर्शनकारियों को राष्ट्र-विरोधी कहे जाने पर संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि अगर जेन जेड विरोध कर रहा है, तो वे राष्ट्र-विरोधी नहीं हैं। वे हमारे ही लोग हैं, हमारी अगली पीढ़ी हैं। मुझे नहीं लगता कि जेनजेड ऐसी है। मुझे लगता है कि नई पीढ़ी हमारी मौजूदा पीढ़ी से ज़्यादा ईमानदार है, और देशभक्ति व सेवा की सच्ची अपील उन पर असर करती है। भागवत ने कहा कि लोकतंत्र में, सहमति बनाने का एक तरीका विरोध भी है। कई तरह के विचार सामने आते हैं और बातचीत के ज़रिए सहमति बनती है। अगर अलग-अलग वजहों से बात नहीं सुनी जाती, तो आंदोलन किया जा सकता है। लेकिन ऐसा सहमति बनाने के लिए किया जाना चाहिए, न कि बंटवारा करने के लिए। जहाँ तक Gen Z की बात है, हाल ही में जो हुआ – उनकी शिकायत सही है। भारत की शिक्षा व्यवस्था में बहुत कुछ करने की ज़रूरत है, और ऐसा नहीं हो रहा है; इसलिए यह मुद्दा उठाया जा रहा है। तो, सच में बातचीत होनी चाहिए... जेनजेड के बारे में मेरे अनुभव की बात करें तो, जब हम उनकी उम्र के थे, तो हम बड़ों की बात मान लेते थे, कभी सवाल नहीं उठाते थे। भागवत ने कहा कि उन्हें पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हालिया टकराव के सही हालात के बारे में जानकारी नहीं है, लेकिन युवाओं पर उनका भरोसा अटूट है।

जेन जेड राष्ट्र-विरोधी नहीं

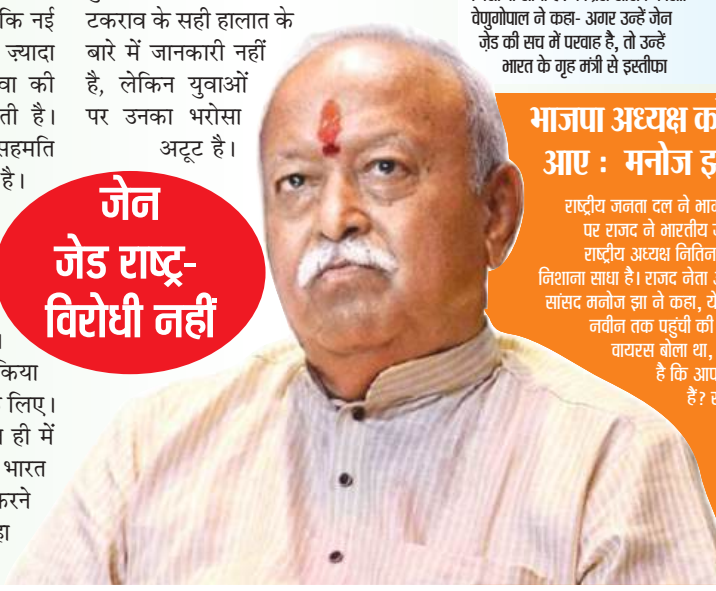

भागवत से किसी सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है : प्रियंका

प्रियंका गांधी ने कहा- उन्हें संघ प्रमुख मोहन भागवत जी से किसी सर्टिफ़िकेट की जरूरत नहीं है। प्रियंका गांधी के साथ कांग्रेस के कई नेताओं ने भी मोहन भागवत पर निशाना साधा है। कांग्रेस सांसद के.सी. वेणुगोपाल ने कहा- अगर उन्हें जेन ज़ेड की सच में परवाह है, तो उन्हें भारत के गृह मंत्री से इस्तीफा देने के लिए कहना चाहिए। वरना, उन्हें (केंद्रीय गृह मंत्री को) कम से कम संसद में आकर छात्रों से माफ़ी मांगनी चाहिए। साथ ही, आरएसएस सरकार को नियंत्रित कर रही है। अगर उन्हें छात्रों की सच में परवाह है, तो उन्हें छात्रों पर हुए अत्याचारों की निंदा करनी होगी। पेलेट गन्स का इस्तेमाल किया गया था, और छात्र इसके लिए जवाबदेही की मांग कर रहे हैं। वह इस मुद्दे पर चुप क्यों हैं? यह सब बस दिखावा है।

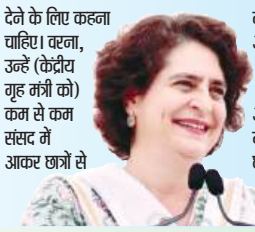

भाजपा अध्यक्ष को समझा आए : मनोज झा

राष्ट्रीय जनता दल ने भागवत के बयान पर राजद ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन पर भी निशाना साधा है। राजद नेता और राज्यसभा सांसद मनोज झा ने कहा, ये खबर नितिन नवीन तक पहुंची की नहीं? उन्होंने वायरस बोला था, सवाल ये नहीं है कि आप क्या सोच रहे हैं? सवाल ये है कि आप हताश हैं, आपने उनकी भाषा कॉपी करने की कोशिश की भाव नहीं।

मोहन भागवत ठीक कह रहे हैं : महुआ माजी

भागवत के जेनजेड पर दिए बयान को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा की सांसद महुआ माजी ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने भागवत के बयान से सहमति जताई है। मोहन भागवत के बयान पर महुआ माजी ने कहा उन्होंने ने ठीक कहा जो बच्चे प्रदर्शन कर रहे थे वो मजदूर और किसान के बेटे थे वो एंटी नेशनल कैसे हो सकते है। झारखंड में प्रदर्शन पर महुआ माजी ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार लगातार कार्यवाही कर रही है। कई लोगों की गिरफ्तारी हुई है। लगातार छापे पड़ रहे है, दिल्ली में प्रदर्शन में 25दिन तक सरकार ने छात्रों से बात नहीं की इसके मायने में झारखंड के मुख्यमंत्री ज्यादा संवेदनशील है।

40 साल पुराने बोफोर्स घोटाले की फाइल बंद

» सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की आखिरी अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हिंदुजा ब्रदर्स को बरी करने वाले दिल्ली हाईकोर्ट के 2005 के फैसले के खिलाफ दायर अंतिम अपील को भी खारिज कर दिया है। इसके साथ ही भारत के सबसे चर्चित और लंबे समय तक चलने वाले भ्रष्टाचार के मामलों में से एक बोफोर्स कांड का कानूनी अध्याय हमेशा के लिए बंद हो गया है। मामले में जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस विनोद के. चंद्रन की बेंच ने याचिकाकर्ता की स्थगन की मांग को ठुकराते हुए मामले की आखिरी याचिका को खारिज कर दिया। सीबीआई ने भी इस मामले में अपील की थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में ही देरी के आधार पर खारिज कर दिया था।

1986 में हुए इस रक्षा सौदे का विवाद लगभग 40 साल तक अदालतों और भारतीय राजनीति के केंद्र में रहा। यह पूरा मामला 24 मार्च 1986 को भारत सरकार और स्वीडिश कंपनी एबी बोफोर्स के बीच हुए 1,437 करोड़ रुपये के उस समझौते से जुड़ा है, जिसके तहत भारतीय सेना के लिए 400 हॉवित्जर तोपें खरीदी जानी थीं। साल 1987 में स्वीडिश रेडियो ने यह सनसनीखेज खुलासा किया कि इस सौदे को हासिल करने के लिए भारतीय राजनेताओं और रक्षा अधिकारियों को अवैध कमीशन दिए गए थे। इस खुलासे ने भारतीय राजनीति में तहलका मचा दिया था। राजीव गांधी सरकार पर गंभीर सवाल उठे और 1989 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी की हार का इसे एक बड़ा कारण माना गया। सीबीआई ने जनवरी 1990 में एफआईआर दर्ज की। इसमें बोफोर्स कंपनी के तत्कालीन अध्यक्ष मार्टिन आर्डबो, कथित बिचौलिए विन चड्ढा समेत कई लोगों को आरोपी बनाया गया। बाद में जांच का दायरा बढ़ाया गया और इतालवी कारोबारी ओटावियो क्वात्रोच्ची का नाम भी सामने आया। अक्तूबर 2000 में दायर की गई सप्लीमेंट्री चार्जशीट में हिंदुजा बंधुओं का नाम भी शामिल किया गया था।

सीजेपी ने शुरू किया क्या बोलती पब्लिक अभियान

» सितंबर से कार्यक्रम शुरू करेगी पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने अपने देशव्यापी क्या बोलती पब्लिक अभियान का एजेंडा जारी करते हुए शिक्षा सुधार, बेरोज़गारी, संस्थागत जवाबदेही और नागरिक समाज के संगठनों के साथ सहयोग को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल किया है। पार्टी का यह जनसंपर्क अभियान सितंबर से शुरू होगा और इसका उद्देश्य देशभर के युवाओं से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं, आकांक्षाओं और सुझावों को समझना है। यह घोषणा छत्रपति संभाजीनगर में आयोजित पार्टी की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक के बाद की गई।

अभियान के दौरान जुटाए गए सुझावों के आधार पर एक यूथ रिफॉर्म चार्टर तैयार किया जाएगा, जिसे नागरिकों की भागीदारी से विकसित किया जाएगा। सोशल मीडिया

प्लेटफॉर्म एक्स पर सीजेपी के सह-संयोजक सौरव दास ने कहा कि संगठन का उद्देश्य फिलहाल चुनावी वादे करना नहीं, बल्कि लोगों की बात सुनना है। प्राथमिक से उच्च शिक्षा तक व्यापक शिक्षा सुधार।शिक्षा और रोजगार के बीच बेहतर समन्वय, जिसमें कौशल विकास और बाज़ार की मांग के अनुरूप रोजगार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। मीडिया, निर्वाचन आयोग और न्यायपालिका सहित विभिन्न संस्थानों की जवाबदेही से जुड़े मुद्दे। छात्र संगठनों, नागरिक समाज संस्थाओं और युवा-केंद्रित सुधारों का समर्थन करने वाले अन्य समूहों के साथ सहयोग। पार्टी ने बताया कि उसका नेतृत्व 1 सितंबर से देशभर की यात्रा करेगा और विभिन्न राज्यों में लोगों से संवाद स्थापित करेगा।

शिक्षा सुधार और बेरोजगारी पार्टी की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में

दास ने कहा कि शिक्षा सुधार और बेरोज़गारी पार्टी की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में हैं। इसके साथ ही संस्थागत जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए भी संगठन लगातार आवाज़ उठाएगा। दास के अनुसार, लोकतंत्र तभी प्रभावी ढंग से काम कर सकता है जब संस्थाएं अपने कार्यों और निर्णयों के प्रति जवाबदेह हों। उन्होंने यह भी कहा कि देश में न्याय और सामाजिक बदलाव के लिए कार्य कर रहे विभिन्न संगठनों, आंदोलनों और नागरिक समूहों के साथ मिलकर काम करना आवश्यक है, क्योंकि किसी एक संगठन के लिए अकेले व्यापक परिवर्तन लाना संभव नहीं है।

राष्ट्रीय ध्वज के अपमान मामले में मुफ्ती के खिलाफ शिकायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। सोशल एक्टिविस्ट डॉ. नीरज शर्मा ने जम्मू के पक्का डंगा पुलिस स्टेशन में पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती के खिलाफ राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने को लेकर शिकायत दर्ज कराई है। शर्मा ने कहा कि 4 अगस्त की रात को पीडीपी ने रात विरोध प्रदर्शन किया था। मुफ्तू ने हमारा राष्ट्रीय ध्वज उल्टा पकड़ा हुआ था।

शिकायत के अनुसार उन्होंने जम्मू-कश्मीर के पुराने राज्य का झंडा तो सही तरीके से पकड़ा था। जब जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश अलगाववाद और पत्थरबाजी के बिना राजनीति के 7 साल पूरे होने और श्रीनगर में बड़ी संख्या में पर्यटकों के आने का जश्न मना रहा है, तब वे हमारा झंडा उल्टा पकड़े हुए हैं, जबकि वे अच्छी तरह जानती हैं कि इस समय सबकी नजरें जम्मू-कश्मीर पर हैं।

महिला टी20 एशिया कप के कार्यक्रम का ऐलान

» भारतीय टीम के पास खिताब जीतकर अपना दबदबा कायम रखने का मौका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने महिला टी20 एशिया कप 2026 के कार्यक्रम की घोषणा कर दी। यह टूर्नामेंट 28 अगस्त से 13 सितंबर तक दुबई में खेला जाएगा।भारत अपने अभियान की शुरुआत 30 अगस्त को थाईलैंड के खिलाफ करेगी, जबकि चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से उसका मुकाबला पांच सितंबर को होगा। भारतीय टीम को ग्रुप-ए में पाकिस्तान, थाईलैंड और हांगकांग, चीन के साथ रखा गया है। वहीं ग्रुप-बी में मौजूदा चैंपियन श्रीलंका, बांग्लादेश, इंडोनेशिया और मेजबान संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) शामिल हैं।

आठ टीमों को दो समूहों में बांटा गया है। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। पहला सेमीफाइनल 10 सितंबर, दूसरा सेमीफाइनल 11 सितंबर को खेला जाएगा, जबकि 13 सितंबर को फाइनल मुकाबला होगा। टूर्नामेंट का उद्घाटन मुकाबला 28 अगस्त को थाईलैंड और हांगकांग, चीन के बीच खेला जाएगा। श्रीलंका अपने अभियान की शुरुआत 29 अगस्त को यूएई के खिलाफ करेगा, जबकि बांग्लादेश 31 अगस्त को इंडोनेशिया से भिड़ेगा। पाकिस्तान एक सितंबर को थाईलैंड के खिलाफ खेलेगा। टूर्नामेंट के सभी 15 मैच, जिनमें दोनों सेमीफाइनल और फाइनल भी शामिल हैं, दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में फ्लडलाइट्स के बीच खेले जाएंगे। भारतीय टीम एक बार फिर खिताब जीतकर महाद्वीपीय क्रिकेट में अपना दबदबा कायम रखने के इरादे से उतरेगी।

पाकिस्तान सीरीज के लिए इंग्लैंड की टेस्ट टीम का ऐलान

लंदन। बेन स्टोक्स के टेस्ट कप्तानी युग के समाप्त होने के बाद इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने पाकिस्तान के खिलाफ 19 अगस्त से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए अपनी टीम का एलान कर दिया है। जो रूट दूसरी बार टेस्ट कप्तान के रूप में टीम की कमान संभालेंगे। दो साल बाद ऑलराउंडर डैन लॉरेंस की वापसी है। इंग्लैंड की टीम में पूर्व उपकप्तान ओली पोप की भी वापसी हुई है। एशेज सीरीज के दौरान टीम से बाहर किए गए पोप को पाकिस्तान सीरीज के लिए फिर मौका मिला है। हालांकि, टीम में जॉर्डन कॉक्स के नंबर-3 पर खेलने की संभावना है, इसलिए पोप फिलहाल अतिरिक्त बल्लेबाज की भूमिका निभा सकते हैं। तेज गेंदबाज सैम कुक को भी दोबारा टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने पिछले साल जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट पदार्पण किया था, लेकिन उसके बाद टीम से बाहर रहे। ब्रायडन कार्स चोट से उबरने के बाद टीम में लौटे हैं। वहीं, ओली रॉबिन्सन भी अपनी जगह बचाने में सफल रहे।

मानसून सत्र के 15वें दिन भी संसद में हंगामा

विपक्ष गृहमंत्री के बयान पर अड़ा, सरकार बोली विपक्ष नहीं तय करेगा कौन बोलेगा, लोकसभा सोमवार तक स्थगित, राज्यसभा में कार्यवाही शाम तक टली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मानसून सत्र के 15वें दिन, शुक्रवार को लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही हंगामेदार रही। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने सरकार को घेरना शुरू कर दिया। विपक्ष लगातार नारेबाजी करता रहा। लोकसभा की कार्यवाही सोमवार तक और राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर 4 बजे तक स्थगित कर दी गई है।

राज्यसभा में किरण रिजिजू विपक्ष पर जमकर बरसे. उन्होंने कहा कि विपक्ष चाहता ही नहीं कि सदन चले. यह वह तय नहीं करेगा कि कौन जवाब देगा। वहीं एनडीए के करीब 45 नए और पहली बार चुने गए लोकसभा सांसद आज सुबह करीब 9 बजे पीएम नरेंद्र मोदी से उनके आवास पर नाश्ते पर मिलें। इस बैठक में वे सांसद भी शामिल हुए जो हाल ही में टीएमसी, यूबीटी व एनसीपी शिवसेना जैसी पार्टियों से एनडीए में शामिल हुए हैं। गुरुवार का दिन भी लोकसभा और राज्यसभा में काफी हंगामे भरा रहा था।

विपक्ष ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे समेत कई अन्य मुद्दों को लेकर लगातार नारेबाजी की।

लोकसभा में विपक्ष ने लगाए नारे

लोकसभा में जमकर हंगामा हो रहा है। होम मिनिस्टर सदन में आओ, चंदा चोर, गद्दी छोड़ जैसे नारे विपक्ष लगा रहा है।

गृह मंत्री की जवाबदेही पर रिजिजू ने विपक्ष पर साधा निशाना

लोकसभा में गृह मंत्री की जवाबदेही की विपक्ष की मांग पर रिजिजू ने कहा कि जब वे बोलेंगे, तब आप सुन नहीं पाएंगे। यह ड्रामा खत्म होना चाहिए. उन्होंने कहा कि गृह मंत्री तब आते हैं जब उनके विभाग का कोई बिल आता है।

रिजिजू ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष ये तय नहीं करेगा कि कौन जवाब देगा। लोकसभा में रिजिजू ने कहा अमित शाह जी सुबह सुबह संसद भवन आते हैं, देर रात वापस जाते हैं। ये नारा लगाने का तरीका गलत है. गृहमंत्री अमित शाह वो इंसान हैं, जिनका नाम सुनकर आतंकवादी, उग्रवादी कांप उठते हैं. जिस दिन अमित शाह का यहां जवाब होगा, आप सुन नहीं पाएंगे. नियम के तहत जिसका बिजनेस होता है, उसी संबंधित मंत्री को आना होता है. आप यह तय नहीं कर सकते. आप सदन को डिस्टर्ब कर रहे हैं।

एफसीआरए-26 पर 12 अगस्त को संसद में चर्चा

मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाक़ात के बाद कहा कि विवादित विदेशी योगदान (विनियमन) संशोधन विधेयक एफसीआरए-26 पर 12 अगस्त को संसद में चर्चा और उसे पारित करने की प्रक्रिया होगी और इसे पिछली तारीख से लागू नहीं किया जाएगा। यह बात ऐसे समय में कही गई है जब केंद्र सरकार संसद में जारी गतिरोध को खत्म करने और मौजूदा मॉनसून सत्र के दौरान अहम विधेयकों पर चर्चा के लिए कामकाज सुचारू रूप से चलाने को लेकर विपक्ष के साथ बातचीत कर रही है। लालदुहोमा, मिज़ोरम के चर्च नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ शाह से मिले ताकि प्रस्तावित कानून को लेकर अपनी चिंताएं ज़ाहिर कर सकें। इस प्रस्तावित कानून का मकसद विदेशी फंडिंग वाली संस्थाओं पर निगरानी को और कड़ा करना है। इसके तहत एक शक्तिशाली अधिकृत संस्था बनाने का प्रावधान है जो उन NGO की संपत्तियों को अपने नियंत्रण में ले सकेगी जिनका लाइसेंस रद्द हो जाता है।

मोदी से मिलने दिल्ली पहुंचे सुखबीर बादल

» संसद भवन में हुई मुलाकात, आप ने कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब की राजनीति में शुक्रवार को उस समय अचानक हलचल तेज हो गई जब शिरोमणि अकाली दल (बादल) के प्रधान सुखबीर सिंह बादल ने संसद भवन पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। दोनों नेताओं की मुलाकात को पंजाब की सियासत में अहम घटनाक्रम के तौर पर देखा जा रहा है।

मुलाकात के बाद सबसे ज्यादा चर्चा 27 के विधानसभा चुनाव को लेकर शुरू हुई है। राजनीतिक गलियारों में सवाल उठने लगा है कि क्या कभी पुराने सहयोगी रहे अकाली दल और भाजपा एक बार फिर चुनावी गठबंधन की राह पर लौट सकते हैं? अकाली दल और भाजपा लंबे समय तक पंजाब में गठबंधन सहयोगी रहे हैं। कृषि कानूनों पर किसानों के आंदोलन के बाद दोनों दलों की राहें अलग हुई थी। 22 का विधानसभा चुनाव दोनों गुटों ने अलग-अलग लड़ा था। इसके बाद 24 के लोकसभा चुनाव में भी दोनों के रास्ते अलग रहे। ऐसे में मोदी और सुखबीर बादल की मुलाकात को आने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है। पंजाब में 27 का चुनाव आम आदमी पार्टी, कांग्रेस, भाजपा और अकाली दल के बीच बहुकोणीय मुकाबले की तस्वीर पेश कर सकता है। भाजपा और अकाली दल के बीच संभावित तालमेल चुनावी गणित को प्रभावित कर सकता है। ग्रामीण और शहरी पंजाब में दोनों दलों के अलग-अलग प्रभाव क्षेत्रों को देखते हुए गठबंधन की स्थिति में मुकाबले के समीकरण बदल सकते हैं। हालांकि, दोनों नेताओं की मुलाकात के बाद गठबंधन को लेकर अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

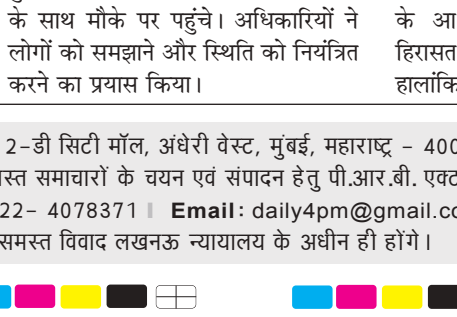

ना ना करते प्यार तुम्हीं से कर बैठे : केजरीवाल

वहीं इस बैठक पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने तंज कसा है। केजरीवाल ने एक्स पर लिखा- ना ना करते प्यार तुम्हीं से कर बैठे। तो क्या चन्दा चोर पार्टी और बेअदबी पार्टी का गठबंधन हो रहा है?

एनटीए के एक्सपर्ट्स ने लीक कराया नीट-यूजी का पेपर

» सीबीआई की चार्जशीट में बड़ा खुलासा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई की चार्जशीट ने परीक्षा प्रणाली की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जांच एजेंसी ने दावा किया है कि पेपर किसी प्रिंटिंग प्रेस से लीक नहीं हुआ था, बल्कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के लिए काम कर रहे विषय विशेषज्ञों ने अपने अधिकृत एक्सेस का दुरुपयोग कर पेपर बाहर पहुंचाया।

मामले में दाखिल चार्जशीट पर दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट 10 अगस्त को संज्ञान लेगी। सीबीआई के अनुसार, प्रश्नपत्र के गोपनीय अनुवाद, बैक-ट्रांसलेशन और प्रूफरीडिंग की प्रक्रिया के दौरान विषय विशेषज्ञों ने अपने अधिकारों का दुरुपयोग किया. जांच में सामने आया है कि बॉटनी-जूलॉजी की विशेषज्ञ मनीषा गुरुनाथ मंधारे, केमिस्ट्री के विशेषज्ञ प्रल्हाद विठ्ठलराव कुलकर्णी (पीवी कुलकर्णी) और फिजिक्स की विशेषज्ञ मनीषा संजय हवालदार ने प्रश्नपत्र की जानकारी बाहर पहुंचाई। सीबीआई की जांच के मुताबिक, अप्रैल 26 के दौरान पीवी कुलकर्णी और मनीषा मंधारे ने पुणे स्थित अपने घरों पर गुप्त स्पेशल रिवीजन सेशन आयोजित किए। इनमें उम्मीदवारों को प्रश्न, उनके चार विकल्प और सही उत्तर मौखिक रूप से बताए गए. उम्मीदवारों ने इन्हें अपनी नोटबुक में हाथ से लिखा, ताकि इसका कोई डिजिटल रिकॉर्ड न बन सके।

पटना में सड़क हादसे के बाद बवाल! 5 गाड़ियां फूंकीं, पुलिस पर भी पथराव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार की राजधानी पटना के बाईपास थाना क्षेत्र स्थित नेशनल हाईवे पर शुक्रवार (7 अगस्त) को सड़क दुर्घटना के बाद जमकर बवाल हो गया। यहां तेज रफ्तार बस की चपेट में आने से 26 वर्षीय युवक मनीष कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही स्थानीय लोग और मृतक के परिजन आक्रोशित हो गए और सड़क पर उतर आए। गुस्साई भीड़ ने हाईवे जाम कर दिया और देखते ही देखते मामला हिंसक हो गया. लोगों ने बस सहित कई वाहनों में आग लगा दी, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे के बाद लोगों ने दुर्घटना में शामिल बस को घेर लिया और उसमें आग लगा दी. कुछ ही देर में बस धू-धू कर जलने लगी। आग बुझाने के लिए दमकल की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन उग्र भीड़ के विरोध के कारण दमकलकर्मियों को बिना कार्रवाई किए वापस लौटना पड़ा. भीड़ ने मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों का भी विरोध किया और उन्हें पीछे हटना पड़ा।

आक्रोशित लोगों ने केवल बस ही नहीं बल्कि आसपास खड़ी चार से पांच अन्य गाड़ियों को भी आग के हवाले कर दिया. इस दौरान पुलिस और मीडिया कर्मियों पर भी पथराव किए जाने की सूचना सामने आई है. घटना के बाद नेशनल हाईवे पर यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया. काफी देर तक सड़क पर तनाव और अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी अतिरिक्त बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने लोगों को समझाने और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया।

मैं ओछी राजनीति में नहीं पड़ना चाहता : विजय

» तृषा पर सीएम का उदयनिधि स्टालिन को करारा जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु और कर्नाटक में कावेरी नदी के पानी को लेकर विवाद जारी है। इस बीच सीएम विजय ने कहा कि कावेरी मुद्दे को कानूनी तरीके से सुलझाने पर अडिग हूं, इसमें कोई बदलाव नहीं है। सीएम ने इशारों में नेता प्रतिपक्ष उदयनिधि स्टालिन के विवादित बयान पर भी जवाब दिया।

उन्होंने कहा कि ''मैं ओछी राजनीति में नहीं पड़ना चाहता.'% स्टालिन ने पिछले दिनों तंजावुर में कावेरी मुद्दे पर भाषण दिया था. इस दौरान भीड़ ''तृषा, तृषा'' के नारे लगा रही थी, तो उन्होंने एक अश्लील और द्विअर्थी टिप्पणी की। इस बयान के बाद टीवीके और बीजेपी के नेताओं ने काफी आलोचना की. बाद में पुलिस ने शिकायत के आधार पर उदयनिधि स्टालिन को हिरासत में ले लिया और पूछताछ की. हालांकि हाई कोर्ट के आदेश के बाद उन्हें रिहा कर दिया गया। सीएम ने कहा, बेंगलुरु जाकर इस मुद्दे को हल करने की कोशिश करने के बारे में सोचा था। सोचा कि पड़ोसी राज्य के साथ बातचीत की जाए, क्योंकि कट्टर दुश्मन देश भी मुद्दों को सुलझाने के लिए बातचीत करते हैं।

न्होंने कहा, तमिलनाडु के लोगों के लिए कावेरी मुद्दे पर बातचीत करने की कोशिश में मैं अपमान सहने को भी तैयार था। विजय ने कांग्रेस के दिवंगत नेता का हवाला देते हुए कहा कि कावेरी मुद्दे को बेहद सावधानी और संवेदनशीलता के साथ संभालने की आवश्यकता है। कावेरी नदी के पानी के बंटवारे को लेकर तमिलनाडु और कर्नाटक में लंबे समय से संघर्ष चला आ रहा है। तमिलनाडु के सीएम ने विधानसभा चुनाव के दौरान मुद्दे को सुलझाने का वादा किया था।

उदयनिधि स्टालिन ने भी घेरा

उदयनिधि स्टालिन ने कहा, कर्नाटक मेकेदातु बांध बनाने के लिए उत्सुक है। इस मुद्दे पर कर्नाटक सरकार आगे बढ़ रही है. कर्नाटक सरकार की तरह, हमें भी यह दिखाना चाहिए कि हम मेकेदातु बांध के निर्माण के खिलाफ एकजुट हैं. तमिलनाडु में सभी राजनीतिक दल सरकार से मेकेदातु बांध के मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग कर रहे हैं हर कोई पूछ रहा है कि तमिलनाडु सरकार इस मामले पर सर्वदलीय बैठक बुलाने से क्यों बच रही है।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। **विधि सलाहकार**: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी **4** पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा**
द्वारा **आस्था प्रिंटर्स**, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक- संजय शर्मा**